mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-145 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
27 मई 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण दुबई, मस्कट नहीं जा पाए बकरे

विदेश में 4 लाख का भाव मिलता था, अजमेर में 1.5 लाख में बिक रहे

अजमेर, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और समुद्री जहाजों की सप्लाई चेन पूरी तरह ठप हो गई है। इसका सीधा और बड़ा असर अजमेर की प्रसिद्ध बकरा मंडी पर पड़ा है। इस तनाव की वजह से अजमेर से खाड़ी देशों को होने वाला बकरों का एक्सपोर्ट पूरी तरह रुक गया है।नतीजतन, जो बकरे दुबई, ईरान और मस्कट जैसे देश के बाजारों में 4 लाख रुपए तक की भारी-भरकम कीमत पर बिकते थे, उनकी कीमत अब गिरकर महज डेढ़ लाख रुपए तक ही रह गई है। विदेशी खरीदार न मिलने से स्थानीय व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

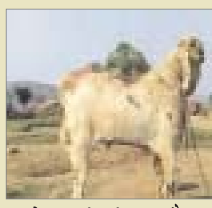

अजमेर मंडी के कारोबारियों के मुताबिक, बकरीद के सीजन के दौरान यहां महज 15 दिनों के भीतर 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का टर्नओवर होता था। इस बार युद्ध के हालातों के कारण 2 करोड़ रुपए से ज्यादा का सीधा नुकसान हो चुका है।

बकरा ईद आने वाली है। इसे देखते हुए अजमेर के ब्यावर रोड पर बकरा मंडी सज गई है। यहां 2 लाख तक के बकरे उपलब्ध हैं। अजमेर की बकरा मंडी में बॉलीवुड सितारों के नाम वाले बकरों की डिमांड खूब है। कोई 'सलमान' है तो कोई 'शाहरूख'। 'सुल्तान', 'युवराज', 'फारूक' भी किसी से कम नहीं। 18 इंच लंबे कानों वाली 'परी' भी खास है। इनकी ठाट-बाट ऐसी कि आम आदमी हैरान रह जाए। ये हरा चारा कम और काजू, बादाम ज्यादा खाते हैं। इनकी डाइट में दूध और शुद्ध देसी घी भी शामिल है।

दिल्ली जिमखाना क्लब ने सरकार से दूसरी जगह जमीन मांगी

केंद्र ने 27.3 एकड़ जमीन वापस मांगी थी, 5 जून तक खाली करने का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकारी की 113 साल पुराने दिल्ली जिमखाना क्लब को लेकर बनाई गई जनरल कमेटी ने सोमवार को सरकार से अपील की है कि क्लब का कामकाज प्रभावित न किया जाए। कमेटी ने कहा कि अगर सरकार कब्जे की कार्रवाई आगे बढ़ाती है तो क्लब को दूसरी जगह जमीन दी जाए।

दरअसल, लुटियंस दिल्ली स्थित ऐतिहासिक क्लब पर करीब 48 करोड़ रुपए का ग्राउंड रेंट बकाया है। लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस (L&DO) ने सितंबर 2025, मार्च 2026 और अप्रैल 2026 में क्लब प्रबंधन को नोटिस भेजे थे।

अप्रैल में जारी आखिरी नोटिस में एक हफ्ते के भीतर बकाया राशि जमा करने को कहा गया था। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि भुगतान नहीं होने पर क्लब की 27.3 एकड़ जमीन वापस ले ली जाएगी। इसके बाद 22 मई को क्लब को 5 जून तक कैंपस खाली करने का ऑर्डर दिया है।

दिल्ली जिमखाना क्लब की स्थापना ब्रिटिश काल में हुई थी। 1913 में यह इम्पीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब नाम से शुरू हुआ था। आजादी के बाद इसका नाम बदलकर दिल्ली जिमखाना क्लब कर दिया गया। मौजूदा भवन 1930 के दशक में बनाए गए थे।

सुप्रीम कोट की बड़ी टिप्पणी

बेटियों की शादी बचाने की माता-पिता की चिंता लड़कियों को मौत के जाल में धकेल रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक व्यक्ति को दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि अपनी बेटियों की शादी बचाने की माता-पिता की चिंता कई महिलाओं को मौत के जाल में धकेल सकती है। वे प्रताड़ना की शिकायतों के बावजूद उन्हें उनके ससुराल वापस भेज देते हैं।दहेज के मामलों की बढ़ती संख्या के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले की शुरुआत समाज के सामने सोचने के लिए एक सवाल रखकर की। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने पूछा, 'क्या युवा सोमा आचार्य की जान बचाई जा सकती थी? क्या सामाजिक बदनामी के डर की वजह से सोमा को भेड़ियों के हवाले कर दिया गया? '

कोर्ट ने क्यों की ये टिप्पणी?

अदालत ने यह पाया कि सोमा ने बार-बार अपने माता-पिता को अपने साथ हो रही प्रताड़ना के बारे में बताया था लेकिन बड़ों द्वारा उसके और उसके पति के बीच सुलह कराने की कोशिश किए जाने के बाद उसे वापस भेज दिया गया।इस मामले को आंखें खोलने वाला बताते हुए जस्टिस विश्वनाथन ने कहा, 'उसने बार-बार अपने माता-पिता से उसे

बचाने की गुहार लगाई और यहां तक कि वह अपने मायके भी आई और कुछ दिनों तक उनके साथ रही। लेकिन, जब भी उसने यह मुद्दा उठाया तो हर बार सुलह कराने और उसे वापस उसके ससुराल भेजने की ही कोशिशें की गई। '

'घरवालों ने रखी झूठी उम्मीद'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गांव के बड़े-बुजुर्ग इसमें शामिल थे और कथित समझौतों के बाद प्रस्ताव पारित किए गए थे। कोर्ट ने कहा, 'सोमा के अपने करीबी और प्रियजनों ने भोलेपन में यह मान लिया था कि किसी न किसी तरह हालात बेहतर हो जाएंगे।

कोर्ट ने क्या पाया?

शादी के 15 महीने बाद सोमा का शव फंदे से लटका मिला था। पति ने दलील दी थी कि उसने आत्महत्या की थी। कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए कि कहा कि मेडिकल और अन्य सबूत साफ तौर पर दहेज उत्पीड़न से जुड़ी हत्या की ओर इशारा करते हैं।

इसमें यह बात नोट की गई कि रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों से पता चलता है कि सोमा को एक मोटरसाइकिल, टीवी और अन्य सामानों की मांग को लेकर प्रताड़ित किया गया था और उसके माता-पिता ने कुछ मांगें मान भी ली थीं।

अदालत ने टिप्पणी की, 'मृतक के शरीर पर पाए गए जख्म आत्महत्या के लिए फांसी लगाने के किसी सामान्य मामले से मेल नहीं खाते।' साथ ही यह भी कहा कि ये जख्म ऐसे नहीं थे जिन्हें व्यक्ति ने खुद को पहुंचाया हो।

बेंच ने कहा कि मेडिकल सबूतों से संकेत मिलता है कि सोमा की मौत से पहले उसके साथ हिंसा की गई थी, जिससे आत्महत्या की थ्योरी गलत साबित होती है और यह 'नकली फांसी' का मामला लगता है।

एक्सप्रेस-वे पर एसी बस पलटी दरोगा समेत 7 की मौत

● खिड़कियों से गिरे लोग, 25 घायल, एक का पैर कटकर अलग; उन्नाव में हादसा

उन्नाव, एजेंसी। उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर एसी बस मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दरोगा-कैदी समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। 3 पुलिसकर्मी समेत 25 लोग घायल हैं। दिल्ली से बिहार जा रही बस में 36 यात्री सवार थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया। बस डिवाइडर से टकराकर किनारे लगी रेलिंग पर लटक गई। इससे कई यात्री बस की खिड़कियों से एक्सप्रेस-वे के नीचे गिर गए। एक का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 262 के पास हुआ। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर (59) भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी को गुरुग्राम कोर्ट में पेशी के लिए लेकर गई थी।

एंबुलेंस से 27 घायलों को अस्पताल पहुंचाया

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। एक्सप्रेस-वे के बगल में ढलान वाली जगह पर घायल तड़पते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। 6-7 एंबुलेंस की मदद से 32 घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

गंभीर घायल लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर

CHC में डॉक्टरों ने 6 यात्रियों को मृत घोषित कर दिया। बाकी को प्राथमिक इलाज के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान एक और घायल ने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, बस में अधिकतर यात्री बस्ती, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर के रहने वाले थे।

सीएनजी 2 प्रति किलोग्राम तक महंगी दिल्ली में कीमत 83.09 किलो

इस महीने चौथी बार दाम बढ़े, अब तक 6 इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान जंग के बीच कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी CNG के दाम पिछले दो हफ्तों के भीतर चौथी बार बढ़ गए हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) ने आज मंगलवार 26 मई को CNG 2 प्रति किलोग्राम महंगी कर दी है। दिल्ली-NCR सहित कई शहरों में ये दाम बढ़ाए गए हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम महीने में चौथी बार बढ़े: तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 102.12 और डीजल की कीमत 95.20 हो गई है।

पेट्रोल-डीजल और CNG की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी : पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दामों बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं।क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रही है तो पेट्रोल-डीजल और CNG की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

तेल कंपनियों को हर दिन 600 करोड़ का घाटा

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने 25 मई को बताया कि सरकारी तेल कंपनियों को करीब 600 करोड़ रुपए प्रति दिन का घाटा हो रहा है।

15 मई से शुरू हुए कीमतों में बदलाव से पहले पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस बेचने पर कंपनियों को रोजाना लगभग 1,000 करोड़ रुपए का घाटा हो रहा था।

तमिलनाडु की कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नाबालिग से रेप-हत्या के दोषी को 75 दिन में दोहरी फांसी की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु में एक 17 साल की लड़की से रेप कर उसकी हत्या करने वाले दरिंदे को अदालत ने दोहरी मौत की सजा सुनाई है। मामला तूतीकोरिन जिले के एक रिमोट विलेज का है। अदालत ने फोरेंसिक सबूतों और एक विंडमिल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को फैसले का आधार बनाया।दरअसल नाबालिग शौच के लिए बाहर गई थी, जिसे दोषी धर्ममुनीश्वरन ने रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उसने पहले उसका बलात्कार किया और फिर हत्या कर दी। मामला सामने आने के बाद पुलिस जांच में जुटी थी, लेकिन उसे कोई सबूत नहीं मिल पा रहा था।

सीसीटीवी फुटेज से खुला राज: पुलिस ने वेदानथम गांव और तूतीकोरिन शहर के बीच लगे छ्टठ्ठ्रङ्क कैमरों की लगभग 1 हजार घंटे की फुटेज खंगालनी शुरू की। तब जाकर क्राइम सीन के पास स्थित विंडमिल फार्म में लगे एक अकेले कैमरे की फुटेज से उसे लीड मिली।

फुटेज में धर्ममुनीश्वरन 10 मार्च को दोपहर लगभग 2:30 बजे गांव में प्रवेश करते दिखा। यह वारदात से करीब 4 घंटे पहले का समय था। इसके बाद वह 11 मार्च को सुबह 6:30 बजे गांव से बाहर निकलते भी देखा गया। पुलिस ने चेक वाली शर्ट के आधार पर उसकी पहचान की और फिर उसकी मूवमेंट पर नजर रखी।

75 दिन में आया फैसला:

अपराध के समय आरोपी द्वारा पहनी गई शर्ट से लिए गए नमूने लड़की के ब्लड ग्रुप से मैच हो गए। वहीं पीड़िता के गुप्तांगों से लिए सीमन सैंपल भी डीएनए जांच में दोषी से मेल खा गए।

किसानों की समृद्धि के लिए सरकार उठा रही प्रभावी कदम

कम खर्च में दोगुनी होगी पैदावार :अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार किसानों की समृद्धि और कृषि के आधुनिकीकरण के लिए प्रभावी उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नवोन्मेषी उत्पादों के परिचय ने भारत की वैश्विक स्थिति को उर्वरक क्षेत्र में मजबूत किया है। इसके अलावा किसानों को कम लागत पर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में मदद की है।

सोमवार को आयोजित इफ्को की 55वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के अवसर पर अपने लिखित संदेश में शाह ने भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफ्को) के प्रयासों की सराहना की, जो देश के सहकारी आंदोलन को मजबूत करने और उर्वरक तथा कृषि क्षेत्र की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह संदेश इफ्को ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर साझा किया।

शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है, ताकि 2047 तक विकसित राष्ट्र का सपना साकार हो सके। '

उन्होंने पीएम-किसान और डिजिटल कृषि मिशन जैसी सरकारी योजनाओं को उजागर किया। इफ्को के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने इफ्को की निरंतर सफलता के पीछे की सामूहिक शक्ति को उजागर किया।

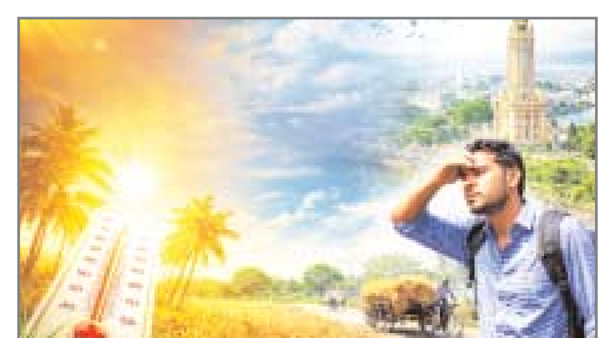

यूपी का बांदा लगातार 8वें दिन 47 डिग्री पार

देश में सबसे गर्म शहर; पंजाब में स्कूल-सरकारी दफ्तरों की टाइमिंग बदली; मानसून अटका

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी। देश के उत्तर-पश्चिम में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर में दिल्ली-हिमाचल, यूपी, दक्षिण-पश्चिम में ओडिशा और तेलंगाना भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। पश्चिम में गुजरात, महाराष्ट्र और सेंट्रल इंडिया में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के एमपी से लगा हिस्सा और छत्तीसगढ़ में गर्मी का सबसे खतरनाक दौर चल रहा है।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को यूपी के बांदा और विदर्भ का ब्रह्मपुरी में सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां लगातार 8वें दिन 47डिग्री से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। छतरपुर का खजुराहो 47.2डिग्री के साथ तीसरे नंबर पर और नौगांव 46.8डिग्री के साथ चौथा सबसे गर्म शहर रहा।

स्टडी में खुलासा: हिमालय तक पहुंच गया प्रदूषण, गंगा के मैदान में प्रदूषण 20 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक स्टडी में पाया गया है कि केवल एक दशक में पीएम प्रदूषण 20 फीसदी ये ज्यादा बढ़ गया है। इसमें बिहार और पश्चिम बंगाल सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इतना ही नहीं, मैदानों से निकलने वाला प्रदूषण अब हिमालय तक भी पहुंच रहा है।

कोलकाता के बोस इंस्टीट्यूट ने यह स्टडी की है, जिसे 'एटमॉस्फेरिक एनवायरनमेंट' जर्नल में प्रकाशित करवाया गया है। स्टडी में यह भी सामने आया है कि अभी तक देश में बायोमास जलाने की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

अध्ययन से पता चला है कि थर्मल पावर प्लांट, बायोमास जलने और शहरी ठोस कचरा जलने से लगातार होने वाले उत्सर्जन से प्रदूषण की स्थिति गंभीर होते जा रही है। यह गंगा के मैदान, हिमालयी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत के 25 सालों के डेटा पर आधारित एक सैटेलाइट स्टडी है।

हिमालय तक कैसे पहुंच रहा प्रदूषण

स्टडी में बताया गया है कि मैदानों में हो उत्सर्जन हो रहा है, वह सीधे हिमालय में एरोसोल की मात्रा को प्रभावित कर रहा है। एरोसोल वातावरण में धूल, कालिख और रासायनिक बूंदों जैसे सूक्ष्म ठोस या तरल कणों के सस्पेंशन को कहते हैं।

चौंकाने वाले आंकड़े

हालांकि अध्ययन में ये पाया गया कि भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के कारण बिहार, पश्चिम बंगाल और असम में पार्टिकुलेट मैटर के स्तरों में मापने योग्य सुधार देखने को मिले। लेकिन ये राज्य अभी भी अभी भी कार्बनयुक्त एयरोसोल के हॉटस्पॉट बने हुए हैं।स्टडी से पता चला कि जो कार्बन प्रदूषण 2000-2009 के दौरान बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तरी पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में केंद्रित था, वह 2020-2024 तक पूरे पश्चिम बंगाल, बिहार, बांग्लादेश और असम, मेघालय और त्रिपुरा तक फैल गया।

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली का प्रदूषण हिमालय की पश्चिमी और मध्य श्रेणियों तक पहुंच रहा है और बिहार और पश्चिम बंगाल का प्रदूषण पूर्वी हिमालय को नुकसान पहुंचा रहा है। इससे पता चलता है कि पहाड़ों की हवा में भी अब वायु प्रदूषण घुल चुका है।

गाजियाबाद में इबोला वायरस को लेकर विभाग सतर्क, आपदा की तैयारी के लिए दिया प्रशिक्षण

गाजियाबाद, एजेंसी। इबोला को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। सोमवार को ऑनलाइन वेबिनार आयोजित करके अधिकारियों ने इबोला रोग की रोकथाम एवं क्लीनिकल प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की।स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्कता, संक्रमण नियंत्रण एवं आपदा की तैयारी को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं आइडीएसपी (इंटीग्रेटिड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम) के तत्वावधान में आयोजित महत्वपूर्ण आनलाइन वेबिनार में इबोला रोग को लेकर सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश दिये गये हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सक, जिला सर्विलांस अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। वेबिनार में एमएमजी हॉस्पिटल के फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन ने भी सहभागिता की तथा महामारी प्रबंधन एवं संक्रमण नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इबोला वायरस रोग (ईवीडी) की समय रहते पहचान, संक्रमण के प्रसार को रोकना, अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था और ट्रीटमेंट प्रणाली को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य कर्मियों को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए प्रशिक्षित करना था।

विशेषज्ञों ने बताया कि इबोला एक गंभीर एवं जानलेवा वायरल बीमारी है, जो संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के संपर्क से फैल सकती है।वेबिनार के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इबोला रोग के प्रारंभिक लक्षणों जैसे तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, दस्त, शरीर में दर्द एवं रक्तस्राव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही संदिग्ध मरीजों की शीघ्र पहचान, आइसोलेशन वार्ड की व्यवस्था, पीपीई किट के सही उपयोग, संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकाल तथा अस्पतालों में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में यह भी बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा से आने वाले यात्रियों की निगरानी, त्वरित रिपोर्टिंग प्रणाली तथा सर्विलांस नेटवर्क को मजबूत बनाना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी चिकित्सालयों को संदिग्ध मामलों की तत्काल सूचना देने एवं आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए। विशेषज्ञों ने यह संदेश भी दिया कि आम जनता को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

बंगालः मैंने बेटी खोई और ममता ने कुर्सी, आरजी कर पीड़िता की मां का पूर्व सीएम पर निशाना

कोलकाता, एजेंसी। आरजी कर मेडिकल कालेज व अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की शिकार हुई महिला डाक्टर की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक रत्ना देबनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने बेटी खोई है और ममता बनर्जी ने अपनी कुर्सी। सोमवार को राज्य सचिवालय नबान्न में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद उन्होंने इंटरनेट माध्यम पर पोस्ट में लिखा-'मैं नवान्न की 14वीं मंजिल पर मौजूद हैं, जहां कभी ममता बनर्जी बैठती थीं और अब वहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ उनकी बैठक हो रही है। ईमानदारी की ताकत बहुत बड़ी होती है। अन्याय के खिलाफ धैर्य के साथ लड़ाई लड़नी पड़ती है। आज मैं और ममता दोनों ही सर्वहारा हैं। मैंने अपनी इकलौती बेटी खोई है और लोगों के लिए काम करने का संकल्प लिया है, जबकि उन्होंने (ममता बनर्जी) ने 14वीं मंजिल की अपनी कुर्सी खो दी है। रत्ना ने आगे लिखा कि आने वाले दिनों में लोग ममता और उनकी आपराधिक टीम का और भी दुखद अंजाम देखेंगे। पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा-'मेरा परिचय यही है कि मैं डाक्टर देवनाथ की गर्वित मां हूं। रत्ना ने मुख्यमंत्री को एक सीलबंद लिफाफे में आरजी कर कांड के संदिग्धों के नाम सौंपे हैं। उनका कहना है कि इन नामों की जानकारी पहले भी जांच एजेंसियों को दी गई थी। उन्होंने कहा कि विधायक बनने के बावजूद उनकी जिंदगी से सारी खुशियां खत्म हो चुकी हैं और अब उनका एकमात्र लक्ष्य न्याय हासिल करना है।

दिल्ली पुलिस की विजिलेंस ब्रांच ने हेड कॉन्स्टेबल को 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस ब्रांच की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई। विजिलेंस की टीम ने कमला मार्केट थाने के हेड कॉन्स्टेबल को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। रिश्वत लेते हुए उसे रंगे हाथों पकड़ा गया। दिल्ली पुलिस की सतर्कता शाखा मामले की जांच कर रही है। इससे पहले 22 मई को दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक असिस्टेंट कमिश्नर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। आरोपी अधिकारी एशियन मार्केट, पुष्प विहार, नई दिल्ली स्थित फूड एंड सप्लाई विभाग में तैनात था। सीबीआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस मामले में 20 मई को केस दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी को शिकायत मिली थी कि आरोपी अधिकारी राशन कार्डों के आवंटन और वितरण के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था। आरोप था कि वह प्रत्येक राशन कार्ड पर 100 रुपये की अवैध रकम मांग रहा था। वहीं, 20 मई को भी सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरिडीह के सीजीएसटी अधीक्षक और निरीक्षक को रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ शिकायत के आधार पर 20 मई को मामला दर्ज किया था। आरोप था कि आरोपी सीजीएसटी अधीक्षक और निरीक्षक ने शिकायतकर्ता से उसके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) विसंगति को हल करने के लिए 90,000 रुपये की अनुचित रिश्वत की मांग की और रिश्वत की राशि का भुगतान न करने पर उसका जीएसटी नंबर ब्लॉक करने की धमकी दी। सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपी अधीक्षक और निरीक्षक को शिकायतकर्ता से आंशिक भुगतान के रूप में 50,000 रुपये की अनुचित रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी लोक सेवकों के कार्यालय और आवासीय परिसरों में तलाशी ली गई। आरोपियों को धनबाद स्थित सक्षम न्यायालय में पेश किया गया। मामले की जांच जारी है।

दिल्ली 10 महीने की बच्ची की हत्या का खुलासा, पिता ने कबूला जुर्म

मुकुंदपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने एक बेहद गंभीर मामले का खुलासा किया है। दस महीने की एक बच्ची की हत्या कर उसके शव को घर के सेप्टिक टैंक में फेंक दिया था। इस मामले में पुलिस ने शव बरामद करते हुए बच्ची के पिता को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने के लिए अपहरण की झूठी सूचना दी थी। यह मामला भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस को 24 मई को एक आपातकालीन सूचना मिली थी कि एक घर से 10 महीने की बच्ची का कथित रूप से अपहरण हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामला अत्यंत संवेदनशील मानते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत विशेष टीमें गठित कर दीं और पूरे इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और शिकायतकर्ता पिता की गतिविधियों की जांच की। शुरुआती जांच में ही पुलिस को पिता के बयान और घटनाक्रम में कई विरोधाभास नजर आए, जिसके बाद उस पर संदेह गहरा गया। पुलिस ने जब उसे सख्ती से पूछताछ की, तो वह अपने ही बयान से पीछे हटने लगा और लगातार जवाब बदलने लगा। लगातार पूछताछ के बाद आरोपी पिता टूट गया और उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि वह आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था और इसी तनाव में उसने यह खौफनाक कदम उठाया। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपनी ही बच्ची को घर के सेप्टिक टैंक में फेंक दिया और बाद में अपहरण की झूठी कहानी गढ़कर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसके कबूलनामे के बाद पुलिस टीम ने उसकी निशानदेही पर घर के सेप्टिक टैंक से बच्ची का शव बरामद किया। इसके बाद मामले में हत्या की धाराएं भी जोड़ दी गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। यह भी देखा जा रहा है कि आरोपी ने यह कदम अकेले उठाया या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी था। पुलिस ने यह भी कहा कि शुरुआती जांच में ही सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण सच्चाई सामने आ सकी। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है और पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

दिल्ली : गांधी नगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में दो नाबालिगों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले की गांधी नगर थाना पुलिस ने सोमवार को दो नाबालिगों को हिरासत में लिया। दोनों पर धर्मपुरा इलाके में हत्या की कोशिश के सनसनीखेज मामले में शामिल होने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामला 21 मई को सामने आया, जब गांधी नगर थाने में चाकूबाजी की घटना को लेकर पीसीआर कॉल आई। शुरुआती जांच में पता चला कि दोपहर करीब 12:30 बजे दो लड़के शिकायतकर्ता की धर्मपुरा स्थित फैक्ट्री पहुंचे। बातचीत के दौरान पैसों के लेन-देन को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। पुलिस के मुताबिक, कहासुनी के बाद मामला हिंसक हो गया। आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित पर धारदार हथियार से हमला किया और फिर मौके से फरार हो गए। घायल व्यक्ति को उसकी पत्नी तुरंत जग प्रवेश अस्पताल लेकर पहुंची। उसी ने पुलिस को घटना की सूचना भी दी। पीड़ित के बयान के आधार पर गांधी नगर थाने में 21 मई को बीएनएस की धारा 109(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। मामले की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में विशेष टीम बनाई गई। टीम में एसआई विकास कुमार, एसआई विशाल राणा, हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी, हेड कांस्टेबल अमन बंसल, हेड कांस्टेबल रोहित और हेड कांस्टेबल मनोज शामिल थे। यह कार्रवाई एसएचओ राज कुमार की देखरेख में हुई।

फरीदाबाद में भ्रूण लिंग जांच पर स्वास्थ्य विभाग का एक्शन, प्राइवेट अस्पताल पर मारा छापा ; रिकॉर्ड जब्त

फरीदाबाद, एजेंसी। जिले में भ्रूण लिंग जांच के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनआईटी एक नंबर स्थित लीलावती अस्पताल में सोमवार देर रात छापेमारी की। स्वास्थ्य विभाग को कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच की जा रही है। शिकायत के आधार पर विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक गर्भवती को जांच कराने के लिए भेजा। स्वास्थ्य विभाग की टीम पहले से निगरानी में थी। जांच के दौरान अस्पताल में संदिग्ध गतिविधियां सामने आने पर टीम ने मौके पर छापा मार दिया और संबंधित लोगों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

अस्पताल का रिकॉर्ड कब्जे में लिया: कार्रवाई के दौरान अस्पताल से जरूरी दस्तावेज और रिकॉर्ड भी कब्जे में लिए गए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने बताया कि मामले में गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीएनडीटी) अधिनियम, के तहत मामला दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भ्रूण लिंग जांच पूरी तरह गैरकानूनी है और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आग में जले रिकॉर्ड रिकंस्ट्रक्ट करने की बड़ी चुनौती

गुरुग्राम कोर्ट कैसे जुटाएगा 1975 से लेकर अब तक की फाइलें

गुरुग्राम, एजेंसी। जिला अदालत के रिकॉर्ड रूम में आग लगने के बाद 51 वर्षों के न्यायिक रिकॉर्ड को दोबारा तैयार करने की चुनौती सामने खड़ी हो गई है। हालांकि वरिष्ठ अधिवक्ताओं का मानना है कि यह कार्य कठिन जरूर है। लेकिन सभी पक्षों के सहयोग से रिकॉर्ड को रिकंस्ट्रक्ट किया जा सकता है। अदालत प्रशासन ने भी जले हुए रिकॉर्ड को पुनर्निर्मित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। अदालत परिसर का निर्माण 1975 में किया गया था। 1975 से पहले जिला अदालत सिविल लाइन में चलती थी। 1975 से अभी तक का सभी डिसाइड केस का रिकॉर्ड इसमें रखा था। निचली अदालत और सेशन अदालत के रिकार्ड रूम आमने-सामने हैं। बताया जा रहा है कि सेशन अदालत का रिकॉर्ड रूम सुरक्षित है। अधिकांश मामलों की प्रतियां संबंधित अधिवक्ताओं के पास उपलब्ध रहती हैं। इसके अलावा जिन मामलों का फैसला निचली अदालतों में हो चुका है और जिन्हें सत्र अदालत में चुनौती दी गई है। उनका रिकॉर्ड वहां सुरक्षित रहता है। कई मामलों का रिकॉर्ड हाईकोर्ट तक भी पहुंचा हुआ है। जिससे दस्तावेज जुटाने में मदद मिलेगी। पुराने मामलों को दोबारा व्यवस्थित करना समय लेने वाला काम है। लेकिन आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों से प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। बार और बेंच मिलकर काम करें तो रिकॉर्ड पुनर्निर्माण संभव है। वैसे 2015 के बाद तो सारा रिकॉर्ड ऑनलाइन है। पुराने रिकॉर्ड की विशेष परिस्थितियों में ही जरूरत होती है। अदालतों में पेश होने वाले दस्तावेजों की प्रतियां पक्षकारों और वकीलों दोनों के पास रहती हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण फाइलों को दोबारा तैयार किया जा सकता है। सबसे ज्यादा चुनौती बहुत पुराने मामलों में आएगी। जहां दस्तावेज सीमित उपलब्ध होंगे। पुरानी फाइलें रखने के लिए अधिवक्ताओं के पास भी इतने बड़े रिकॉर्ड रूम उपलब्ध नहीं होते। यह केवल अदालत प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी न्यायिक व्यवस्था की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि अधिवक्ता, पक्षकार और अदालत कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य करें तो जले हुए रिकॉर्ड का बड़ा हिस्सा दोबारा तैयार किया जा सकता है।

जले हुए रिकॉर्ड को रिकंस्ट्रक्ट करना चुनौती भरा काम तो है लेकिन कठिन नहीं है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मारः ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए।

फ्रांस में 350 से ज्यादा शहरों में तापमान का रिकॉर्ड टूटा : फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं। कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया।

पाकिस्तानः मुनीर की कठपुतली हैं शहबाज! ट्रंप के पोस्ट का साफ इशारा, सत्ता का केंद्र हैं पाक सेना प्रमुख

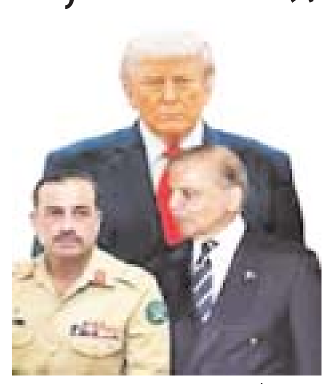

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री भले ही शहबाज शरीफ हों, लेकिन तमाम बड़े मामलों में सेना प्रमुख आसिम मुनीर का दखल साफ नजर आता है। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ अब आसिम मुनीर के हाथों की कठपुतली जैसे दिखते हैं। पाकिस्तान में सत्ता के इस समीकरण को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक हालिया पोस्ट ने और बल दिया है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब्राहम समझौते के विस्तार को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट की थी। इस पोस्ट में ट्रंप ने मुस्लिम-बहुल देशों से ईरान युद्ध के बाद अब्राहम समझौते में शामिल होने का आग्रह किया था। इस पोस्ट में उन्होंने शहबाज शरीफ की जगह पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर का नाम लिया। ट्रंप के पोस्ट से सवाल खड़ा हो गया है कि असल में पाकिस्तान की सत्ता किसके हाथ में है? ट्रंप ने सोमवार को 'ट्रुथ सोशल' पर अब्राहम समझौते के विस्तार को लेकर एक पोस्ट में उन विश्व नेताओं की सूची जारी की, जिनसे उन्होंने बात की थी। हालांकि, जब बात पाकिस्तान की आई, तो उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का नाम नहीं लिया। इसके बजाय अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर का जिक्र किया।

ट्रंप ने चूक नहीं की, दिया छिपा संदेशः अमेरिकी राष्ट्रपति ने पोस्ट में सऊदी अरब के मोहम्मद बिन सलमान, यूएई के मोहम्मद बिन जायद, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी जैसे नेताओं का नाम लिखा। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इस सूची में नहीं थे। जानकारों का कहना है कि यह सिर्फ चूक का मामला नहीं है। यह चूक सीधे तौर पर पाकिस्तान में सत्ता के समीकरण पर मुहर लगाती दिख रही है। यह पहले से ही साफ है कि पाकिस्तानी सेना विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में देश की सरकार की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभाव रखती है। वहीं, ट्रंप की पोस्ट ने एक तरह से इसकी पुष्टि कर दी है।

आसिम मुनीर का बढ़ता कद : पाकिस्तान में आसिम मुनीर का कद लगातार बढ़ने का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। कि वह ईरान, अफगानिस्तान और अमेरिका के साथ सहयोग से जुड़े मुद्दों पर फैसला लेने वालों में सबसे अहम माने जाते हैं।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोपः कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे। इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई। स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है। चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा।

सरकार के मंत्रियों ने भी जताया गुस्सा : मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया।

जल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान में जनभागीदारी आवश्यक: विधायक

गंगा दशहरा पर ग्राम पंचायत महुआर में जल स्रोत पूजन, गंगा कलश यात्रा एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विधानसभा क्षेत्र सिहावल की ग्राम पंचायत महुआर में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से जल स्रोत पूजन, गंगा कलश यात्रा एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों की सहभागिता रही कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम मंदिर परिसर से तालाब तक गंगा कलश यात्रा निकाली गई। इसके पश्चात जल स्रोत से कलश में जल भरकर पुनः पूजा स्थल तक लाया गया, जहां विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न हुई। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश देते हुए जल स्रोत के तट पर 108 दीप प्रज्ज्वलित कर जल है तो कल है संदेश के साथ दीपदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने जल संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर प्रदेशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल वर्तमान समय की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। जल जैसे अमूल्य प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण में समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से जल के विवेकपूर्ण उपयोग प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने तथा जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया दीपों की रोशनी एवं जल ही जीवन है के उद्घोष के बीच विधायक पाठक द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई कार्यक्रम में सरपंच मती सुषमा कोल, एसडीएम सिहावल राजेश शुक्ला, सिद्धार्थ गौतम, गजराज सिंह, तहसीलदार जय प्रकाश पांडेय, बीएमओ डॉ. रिकेश शर्मा, बीपीओ कामता तिवारी, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, लाडली बहनें एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहडोल में तेज रफ्तार कार दुकान में घुसी :हादसे में घायल बच्चे की इलाज की दौरान मौत; दुकान में बैठा था

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम भमरहा में सोमवार शाम सड़क हादसे में 9 वर्षीय बालक की मौत हो गई तेज रफ्तार कार सड़क किनारे बनी किराना दुकान में घुस गई थी जिससे दुकान में बैठा बालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई पुलिस के अनुसार, कैथा चौराहा के पास महेंद्र सिंह की किराना दुकान है। सोमवार शाम उनका बेटा दीपक दुकान में बैठा था। इसी दौरान ब्यौहारी की ओर से आ रही एक कार अचानक अनियंत्रित होकर दुकान के अंदर जा घुसी। टक्कर के बाद दुकान का सामान बिखर गया और दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया रीवा ले जाते समय तोड़ा दम हादसे की आवाज सुनकर परिवार और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे घायल बालक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने पर रीवा रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई मंगलवार को बालक का शव रीवा से शहडोल लाया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा चालक हिरासत में जांच जारी घटना की सूचना मिलने पर ब्यौहारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने कार और चालक को हिरासत में ले लिया है। वाहन जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि मामले में मर्ग कायम किया गया है चालक से पूछताछ की जा रही है पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है ब्यौहारी क्षेत्र में लगातार सड़क हादसे सामने आ रहे हैं। इससे एक दिन पहले भी सड़क दुर्घटना में एक बालक की मौत हुई थी। रविवार को सड़क पर निकले एक बच्चे को गैस सिलेंडर से भरे वाहन ने टक्कर मार दी थी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 447 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं समयबद्ध निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए गए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिले के विभिन्न दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए 447 आवेदकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों से प्रकरणवार जानकारी प्राप्त कर उनके समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोलंकी ने निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ परीक्षण करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से समय-सीमा निर्धारित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने तथा संबंधित आवेदकों को उनके प्रकरण की प्रगति एवं निराकरण की जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित कर नागरिकों को राहत प्रदान की जाए जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े रहे।

महिला कृषक पाठशाला में जैविक खेती एवं आजीविका संवर्धन पर दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसान कल्याण वर्ष 2026-27 के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन मझौली द्वारा एकीकृत कृषि संकुल योजना अंतर्गत आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत नौढ़िया में महिला कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को जैविक खेती, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में महिलाओं को जैविक कीटनाशकों जैसे ब्रह्मास्त्र एवं नीमास्त्र के निर्माण की विधि, जैविक उत्पादन के महत्व, सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के उपाय, पशुपालन, बैकयार्ड सब्जी उत्पादन तथा जैविक खेती से संबंधित विभिन्न तकनीकी जानकारियां प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदान की गईं प्रशिक्षण में कृषि सीआरपी लक्ष्मी ताम्रकार, आईएफसी एंकर शारदा केवट, विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक संजीव सिंह, कृषि सीआरपी प्रमिला सिंह, फूलबाई सिंह, रेनू सिंह, दिनेश कुमार सिंह एवं कंचन सिंह ने प्रशिक्षक के रूप में सहभागिता करते हुए महिलाओं को व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी 40 महिला कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल संचालन विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह द्वारा किया गया।

बिजहा दुर्गा मंदिर से लाखों के गहने चोरी, सोने की आंखें और छत्र ले गए चोर

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के बिजहा गांव स्थित दुर्गा मंदिर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर से माता रानी के कीमती गहने चुराकर फरार हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष है और पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल उठने लगे हैं चोर मंदिर से माता रानी का एक मुकुट दो छत्र दो सोने की आंखें और एक सोने का लॉकेट ले गए। चोरी हुए गहनों की अनुमानित कीमत दो लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है घटना का पता मंगलवार सुबह पुजारी और ग्रामीणों को तब चला जब पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे मंदिर के अंदर माता रानी के गहने गायब देखकर उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

ब्यौहारी पुलिस ने बाइक चोर पकड़ा,अपनी जरूरतें और शौक पूरे करने के लिए करता था चोरी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी बाइक चोर पुलिस की गिरफ्त में आरोपी बाइक चोर ब्यौहारी पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले का मंगलवार को खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बाइक भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपनी छोटी-छोटी जरूरतों और शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था जानकारी के अनुसार, महेंद्र कुमार पटेल निवासी बोकरा हाउस ब्यौहारी ने 30 अप्रैल को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी उन्होंने बताया था कि उनकी मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की जांच के दौरान पुलिस को कुछ संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली। इसके आधार पर देवगांव निवासी शिवम कुमार कोल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। शुरुआत में आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती बरतने पर उसने बाइक चोरी की बात स्वीकार कर ली पुलिस ने आरोपी शिवम कुमार कोल के कब्जे से चोरी की गई बाइक बरामद कर जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लंबे समय से आर्थिक जरूरतों और अपने निजी शौक पूरे करने के लिए चोरी की घटनाओं में शामिल था पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने यह वारदात अकेले की थी या इसमें कोई और भी शामिल था इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक बिलाल खान की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी बस्तुआ में विशेष शिक्षण समर कैंप का शुभारंभ

स्वास्थ्य, शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों की सहभागिता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी बस्तुआ में विशेष शिक्षण समर कैंप का शुभारंभ किया गया। ग्रीष्मावकाश के दौरान संचालित किए जा रहे इस समर कैंप में छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की समर कैंप का शुभारंभ गायत्री परिवार के ब्लॉक समन्वयक राजेंद्र मिश्र, समाजसेवी जवाहर यादव, उपसरपंच बृजलाल यादव, उपेंद्र शुक्ल आचार्य, बीआरसीसी कुसमी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी तथा प्राचार्य मनोज मिश्र की उपस्थिति में किया गया। 26 मई से प्रारंभ हुए इस शिविर में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जोड़ते हुए योग, प्राणायाम, खेल गतिविधियां, रचनात्मक गतिविधियां एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। समर कैंप के माध्यम से छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से ड्राइंग, पेंटिंग, लोकगीत, कविता वाचन, स्वतंत्र लेखन, स्वतंत्र वाचन तथा विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा व्यावहारिक रूप से दिया जा रहा है। साथ ही स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने हेतु विशेष सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य मनोज मिश्र, राकेश मिश्रा, गुनीलाल यादव, गोमती कोल सहित शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रातभर गुल रही बिजली, खरला गांव में 5 दिन से ट्रांसफार्मर जला; नौतपा में बिजली व्यवस्था चरमराई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। नवतपा की शुरुआत के साथ ही बिजली व्यवस्था चरमरा गई है शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग घंटों बिजली कटौती और खराब ट्रांसफार्मर की समस्या से जूझ रहे हैं सोमवार रात शहर के रीवा रोड स्थित मदन एजेंसी के पीछे और मोदी नगर क्षेत्र में पूरी रात बिजली आपूर्ति बाधित रही जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा जानकारी के अनुसार, मदन एजेंसी के पास मुख्य लाइन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी। इसके बाद क्षेत्र की बिजली आपूर्ति तुरंत बंद करनी पड़ी। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य किया और आपूर्ति बहाल की लेकिन कुछ समय बाद फिर बिजली गुल हो गई कर्मचारियों ने बताया कि मदन एजेंसी के पास लगे ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति लगातार प्रभावित हो रही थी पूरी रात बिजली गुल से गर्मी से लोग परेशान स्थानीय लोगों के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे बिजली गुल हुई थी जो मंगलवार सुबह तक पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई पूरी रात बिजली बंद रहने से लोगों को भीषण गर्मी और पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग समय पर मेंटनेंस नहीं कर रहा है जिसके कारण गर्मी शुरू होते ही ट्रांसफार्मर और लाइनें खराब होने लगी हैं इसी बीच, बुढ़ार क्षेत्र के खरला गांव में पिछले पांच दिनों से ट्रांसफार्मर जला हुआ है गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक न तो कोई अधिकारी गांव पहुंचा है और न ही ट्रांसफार्मर बदला गया है।

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण विषयक काव्य गोष्ठी आयोजित, 93 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गंगा दशहरा के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण विषय पर स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिला शिक्षा केंद्र एवं जनपद शिक्षा केंद्र सीधी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के लिए गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसमें जिले के 12 विद्यालयों से कुल 93 विद्यार्थियों ने सहभागिता के लिए आवेदन प्रस्तुत किए प्रतियोगिता का आयोजन तीन समूहों में किया गया। प्रथम समूह में कक्षा 1 से 5 तक, द्वितीय समूह में कक्षा 6 से 8 तक तथा तृतीय समूह में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को शामिल किया गया। प्राप्त आवेदनों में कक्षा 1 से 5 समूह में 31, कक्षा 6 से 8 समूह में 48 तथा कक्षा 9 से 12 समूह में 14 विद्यार्थियों के आवेदन शामिल रहे प्रतिभागियों की अधिक संख्या को देखते हुए निर्णायक मंडल द्वारा प्रारंभिक स्क्रीनिंग की गई। यह प्रक्रिया प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चली, जिसमें प्रत्येक समूह से 5-5 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को फाइनल चरण के लिए चयनित किया गया फाइनल चरण का आयोजन सायं 4 बजे से 6 बजे तक ज्ञानस्थली इंटरनेशनल स्कूल, प्रियदर्शिनी नगर, सीधी में किया गया। इस दौरान चयनित फाइनलिस्ट विद्यार्थियों ने निर्णायक मंडल के समक्ष अपनी काव्य प्रस्तुतियां दीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया जबकि अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप मेडल प्रदान किए गए कक्षा 1 से 5 समूह में अनिष्का त्रिपाठी (गांधी हाई स्कूल, सीधी) ने प्रथम, तृषा चौधरी (अबोध बाल शिक्षा निकेतन, सीधी) ने द्वितीय तथा आशीष साकेत (शासकीय माध्यमिक शाला, करौंदिया पानी टंकी) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 6 से 8 समूह में अमृता लक्ष्मी यादव (यूसीएन मास पब्लिक स्कूल, सीधी) प्रथम, देव हर्षित सिंह (गांधी हाई स्कूल) द्वितीय तथा दीपिका द्विवेदी (ज्ञानस्थली इंटरनेशनल स्कूल, सीधी) तृतीय स्थान पर रहीं इसी प्रकार कक्षा 9 से 12 समूह में अनन्या सिंह (गांधी हाई स्कूल, सीधी) ने प्रथम, अभिनव पाठक (गांधी हाई स्कूल, सीधी) ने द्वितीय तथा निधि पांडे (शासकीय पीएम आदर्श कन्या विद्यालय) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक एवं प्रख्यात साहित्यकार डॉ. शिवशंकर मिश्र सरस तथा गजलकार डॉ. रामगरीब पाण्डेय विकल की गरिमामयी उपस्थिति रही कार्यक्रम में बच्चों एवं अतिथियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था ज्ञानस्थली इंटरनेशनल स्कूल द्वारा तथा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र की व्यवस्था सर्वोदय विद्या मंदिर, सीधी द्वारा की गई। आयोजन को सफल बनाने में संबंधित संस्थाओं एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा।

ईदुज्जुहा अवकाश की तिथि में बदलाव अब 28 मई को रहेगा सार्वजनिक अवकाश, 27 मई को खुलेंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य शासन द्वारा ईदुज्जुहा अवकाश की तिथि में संशोधन करते हुए नया आदेश जारी किया गया है संशोधित आदेश के अनुसार अब ईदुज्जुहा का सार्वजनिक अवकाश गुरुवार 28 मई 2026 को रहेगा इससे पहले शासन द्वारा 27 मई को ईदुज्जुहा का अवकाश घोषित किया गया था जारी निर्देशों के अनुसार बुधवार 27 मई 2026 को प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालय निर्धारित समयानुसार खुले रहेंगे तथा नियमित रूप से कार्यालयीन कार्य संपादित किए जाएंगे। शासन द्वारा यह निर्णय चांद दिखाई देने और त्योहार की वास्तविक तिथि को ध्यान में रखते हुए लिया गया है प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि अवकाश तिथि में परिवर्तन संबंधी सूचना सभी विभागों और कार्यालयों को भेज दी गई है ताकि कर्मचारियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि संशोधित आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाए ईदुज्जुहा मुस्लिम समाज का प्रमुख धार्मिक पर्व है जिसे पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है पर्व के अवसर पर लोग विशेष नमाज अदा कर आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश देते हैं राज्य शासन द्वारा जारी इस संशोधित आदेश के बाद अब नागरिकों और कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे नई घोषित तिथि के अनुसार अपने कार्यों की योजना बनाएं प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 28 मई को सभी शासकीय कार्यालयों में अवकाश रहेगा जबकि 27 मई को सामान्य कार्य दिवस रहेगा।

क्यों होगी पीएम की विदाई?

संपादकीय

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भविष्यवाणी की है कि एक साल बाद नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। प्रधानमंत्री पद से उनकी विदाई तय है। दावा यह भी है कि उनकी भविष्यवाणी कभी गलत साबित नहीं होती। आने वाले चुनावों में हिंदू-मुसलमान के बजाय आर्थिक असमानता, अर्थात अमीर बनाम गरीब, तथा महंगाई सबसे बड़े मुद्दे होंगे। उन्होंने यह भी संबोधित किया है कि यदि मुसलमान पर अत्याचार हो, तो मुसलमान का नाम लें। अल्पसंख्यक की जगह मुसलमान न कहें। ध्रुवीकरण की शुरुआत यहीं से होती है। राहुल गांधी ने जिस बैठक को संबोधित कर यह भविष्यवाणी की और भविष्य के चुनावी मुद्दों को रेखांकित किया, उसमें 52 प्रमुख अल्पसंख्यक नेता मौजूद थे। मुसलमान के अलावा, जैन, सिख, ईसाई समुदायों के प्रतिनिधि भी थे। कांग्रेस नेता ने किन आधारों, जनादेशों और राजनीतिक बदलाव के संकेतों, रुझानों पर यह दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी की विदाई तय है? राहुल के हिंदू-मुसलमान वाले सांप्रदायिक और ध्रुवीकृत विश्लेषण से भी हम सहमत नहीं हैं, क्योंकि देश इसी सोच और विभाजन को झेल रहा है। केरल में कई मुसलमानों को कांग्रेस सरकार में मंत्री बनाया गया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व के गठबंधन के लिए मुस्लिम लीग का समर्थन अनिवार्य है। कांग्रेस को हालिया चुनावों में केरल में ही जनादेश मिला है, शेष राज्यों में वह या तो गायब हो गई है अथवा हाशिए पर है। क्या इसी आधार पर प्रधानमंत्री की विदाई का दुस्वप्न देखा जा रहा है? पश्चिम बंगाल में भाजपा जनादेश पूरी तरह हिंदुत्व पर आधारित है, जहां करीब 85 फीसदी हिंदुओं ने भाजपा को वोट दिए। अधिकांश चुनावों की बुनियाद हिंदु-मुसलमान पर ही आश्रित है। दोनों ही समुदाय 'सांप्रदायिक' भी हैं। खासकर मुसलमान 'धर्मनिरपेक्षता' का प्रतीक है और हिंदू की लामबंदी 'सांप्रदायिक' करार दी जाती है। यह व्याख्या और धारणा ही गलत है।

रही बात अमीर-गरीब की, तो आर्थिक असमानता और विषमताएं देश की आजादी से पहले ही अस्तित्व में रही हैं। आज भी मोदी सरकार करीब 81.35 करोड़ भारतीयों को 'मुफ्त अनाज' बांट रही है। यह आर्थिक असमानता का सबसे ज्वलंत उदाहरण है। देश के करीब 10 फीसदी तबके के पास राष्ट्रीय आय का करीब 58 फीसदी हिस्सा मौजूद है, तो 50 फीसदी से अधिक भारतीय ऐसे हैं, जिन्हें राष्ट्रीय आय का 15 फीसदी ही नसीब है। एक और डाटा गौरतलब है कि मात्र 1 फीसदी वर्ग के पास देश की 40 फीसदी संपदा है। देश में 10 फीसदी तबका ऐसा है, जिसकी तिजौरियों, बैंकों, निवेश में 65 फीसदी संपत्ति जमा है, जबकि 50 फीसदी से अधिक ऐसे लोग हैं, जिनके हिस्से मात्र 6 फीसदी ही देश की संपदा है।

जनगणना के नाम पर साइबर हमला और डिजिटल ठगी का बढ़ता जाल

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल भारत के इस दौर में जहां हर सरकारी सेवा तेजी से ऑनलाइन हो रही है वहीं साइबर अपराधियों ने भी लोगों को ठगने के नए तरीके खोज लिए हैं। अब जनगणना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रक्रिया को भी साइबर ठग अपने हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। गुजरात सहित देश के कई राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें लोगों को जनगणना अधिकारी बनकर फोन किए गए और मोबाइल लिंक भेजकर बैंक खाते खाली कर दिए गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पुलिस को विशेष एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि लोगों की निजी जानकारी और डिजिटल सुरक्षा पर सीधा हमला है।

भारत तेजी से डिजिटल व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। सरकारी योजनाएं बैंकिंग सेवाएं स्वास्थ्य सुविधाएं और पहचान से जुड़ी लगभग हर प्रक्रिया अब मोबाइल और इंटरनेट पर आधारित हो चुकी है। ऐसे में आम नागरिकों के मोबाइल फोन में उनकी निजी जिंदगी का बड़ा हिस्सा सुरक्षित रहता है। बैंक खाते यूपीआई एप पासवर्ड फोटो दस्तावेज और पहचान संबंधी जानकारी सब कुछ मोबाइल में मौजूद रहता है। साइबर अपराधी इसी कमजोरी का फायदा उठाकर लोगों को जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।

हाल के दिनों में साइबर ठग जनगणना अधिकारी बनकर लोगों को कॉल कर रहे हैं। वे खुद को सरकारी कर्मचारी बताकर नागरिकों से कहते हैं कि जनगणना प्रक्रिया पूरी करने के लिए कुछ जानकारी अपडेट करनी होगी। इसके बाद लोगों के मोबाइल पर एक लिंक भेजी जाती है। कई बार यह लिंक व्हाट्सएप मैसेज एसएमएस या ईमेल के जरिए आती है। लिंक पर क्लिक करते ही व्यक्ति को एक एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। सामान्य व्यक्ति को यह समझ नहीं आता कि यह फाइल कितनी खतरनाक हो सकती है।

एपीके यानी एंड्रॉइड पैकेज किट एक ऐसा फॉर्मेट होता है जिसके जरिए मोबाइल में एप इंस्टॉल किया जाता है। साइबर अपराधी नकली एपीके फाइल बनाकर उसमें वायरस या स्पाइवेयर छिपा देते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति उसे डाउनलोड करता है वैसे ही मोबाइल की सुरक्षा कमजोर पड़ जाती है। कई मामलों में मोबाइल की स्क्रीन तक साइबर अपराधियों के नियंत्रण में चली जाती है। इसके बाद वे बैंकिंग एप और यूपीआई तक पहुंच बना लेते हैं और कुछ ही मिनटों में खाते से पैसे निकाल लेते हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई लोग सरकारी प्रक्रिया समझकर आसानी से भरोसा कर लेते हैं। ठग सरकारी भाषा और अधिकारिक अंदाज में बात करते हैं जिससे व्यक्ति को शक नहीं होता। कई बार वे आधार कार्ड पैन कार्ड बैंक खाता और ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। कुछ लोग डर या जल्दबाजी में यह जानकारी साझा कर देते हैं और बाद में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

गुजरात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि केंद्र या राज्य सरकार कभी भी फोन पर ओटीपी पासवर्ड बैंक डिटेल या गोपनीय जानकारी नहीं मांगती। जनगणना प्रक्रिया के लिए किसी भी व्यक्ति को मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता। यदि कोई व्यक्ति ऐसा कर रहा है तो वह निश्चित रूप से संदिग्ध है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने की अपील की है।

साइबर अपराध केवल बैंक खाते तक सीमित नहीं है। मोबाइल हैक होने के बाद अपराधी सोशल मीडिया अकाउंट ईमेल और निजी फोटो तक पहुंच बना सकते हैं। कई बार लोगों की निजी तस्वीरों का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग भी की जाती है। कुछ मामलों में अपराधी पीड़ित के नाम से दोस्तों और रिश्तेदारों से पैसे मांगने लगते हैं। इस तरह एक छोटी सी गलती व्यक्ति की आर्थिक और सामाजिक दोनों सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है।

डिजिटल ठगी की घटनाएं लगातार इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि इंटरनेट का उपयोग तेजी से बढ़ा है लेकिन डिजिटल जागरूकता उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाई है। गांवों और छोटे शहरों में कई लोग पहली बार ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। उन्हें साइबर सुरक्षा के नियमों की पर्याप्त जानकारी नहीं होती। यही कारण है कि अपराधी आसानी से लोगों को अपना शिकार बना लेते हैं।

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरुआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है।

मनोज कुमार अग्रवाल

बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है।

जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन

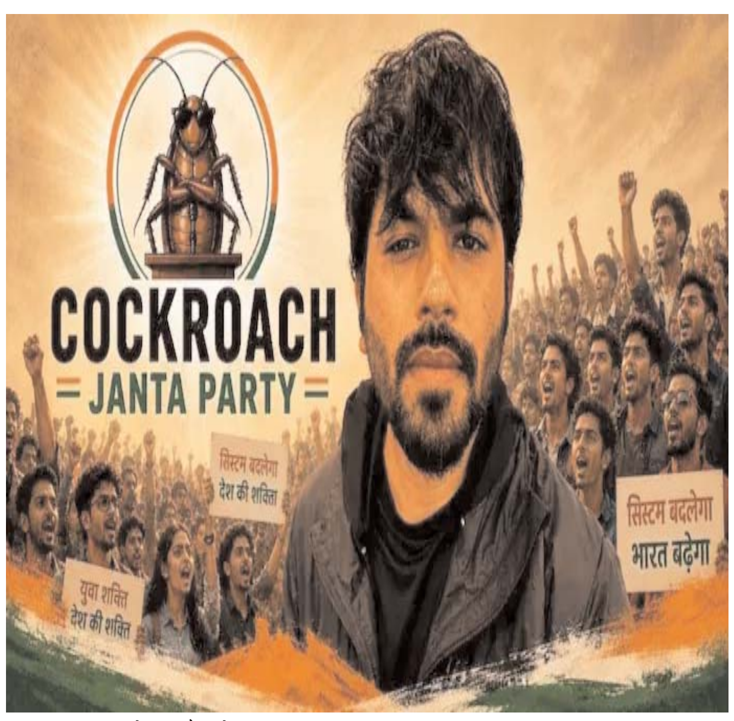

राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया।

शुरुआत और संस्थापकः इसकी शुरुआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं।

विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया।

सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है।

मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है।

अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टेकेगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरुआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरुआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा।

इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः मजहबी कट्टरता पर आधारित थी। बहरहाल सीजेपी का ऊफान कितने समय और कितना रफ्तार पकड़ेगा और क्या भारत सरकार और सत्तारूढ़ एनडीए के लिए कोई मुसीबत बनेगा यह नतीजा निकालना अभी जल्दबाजी होगा लेकिन इतना तय है कि इस सोशल मीडिया पर खड़े किए जा रहे तूफान को पाकिस्तान और खालिस्तानी समर्थक लोग जमकर टैग फोलो कर रहे हैं और इनकी बड़ी तादाद इस हवाई किले की बुनियाद में शामिल हो रही है आशंका यह भी है कि अमेरिका समेत कुछ विदेशी ताकतों द्वारा ऐसे अभियान को बैकडोर से हवा दी जा रही है वहीं विपक्ष भी मोदी के अश्वमेध यज्ञ को कमजोर करने के लिए ऐसे अभियान को साधन बनाने के लिए बेताब है। जाहिर है कि यह एक झोका है जो एक दो हफ्ते में कमजोर पड़ जाएगा और इस में राजनीतिक भविष्य तलाश रहे विपक्षी दलों की उम्मीदों पर भी पानी फिर जाएगा और मोदी फिर तंज कसेंगे तुमसे ना हो पाएगा! (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

सामयिक व्यंग्य - हम पूछेंगे तो बोलोगे की पूछता है!

इन दिनों देश-विदेश के राजनीतिक मौसम की रंगत बड़ी अजब है। बाहर हवा ठंडी हो या गरम, लेकिन सत्ता के गलियारों में अंतरराष्ट्रीय दबाव का पारा अचानक सातवें आसमान पर पहुंच गया है। कल तक जो विदेशी नुमाइंदे हमारे देश में सिर्फ पर्यटन के खूबसूरत ठिकानों की बातें करते थे, व्यापारिक सौदों पर दस्तखत करते थे और हमारे विशाल बाजार को देखकर लार टपकाते थे, वे आज अचानक हाथ में माइक थामकर और चेहरे पर दुनिया भर की फिक्र ओढ़कर हमारे अभिभावक की भूमिका में नजर आने लगे हैं। अभी हाल ही में, जब देश के सर्वोच्च प्रधान सुदूर यूरोप के एक खूबसूरत, ट्यूलिप के फूलों और पवन चक्कियों वाले साइकिल-प्रिय मुल्क की यात्रा पर थे,

विवेक रंजन श्रीवास्तव

तब वहां की एक तीखे तेवरों वाली विदेशी महिला पत्रकार साहिबा ने सात समंदर पार से लोकतंत्र, अल्पसंख्यकों और प्रेस की आजादी के कुछ सुलगते हुए सवाल दाग दिए कि दिल्ली की चिलचिलाती गर्मी में भी पूरे सचिवालय का एसी अचानक फेल होने लगा। इस नजारे को देखकर पृष्ठभूमि में वही पुराना और घिसा-पिटा फिल्मी गाना बजने लगता है, जोशी पड़ोसी कुछ भी बोले, हम कुछ नहीं बोलेगा!

हमारे विदेश मंत्रालय को इन विदेशी पड़ोसियों का यह मुफ्त में बंटने वाला ज्ञान और अपनी धोती को छोड़कर पूरे जमाने की चिंता करने की आदत बड़ी नागवार और चिंतनीय लग रही है। उनका पत्रकारिता इंडेक्स नम्बर एक होगा , हम अपने 157 नम्बर में ही खुश बने रहना चाहते हैं।

पड़ोसियों का तो शाश्वत धर्म ही यही होता है कि वे अडोस-पड़ोस के हर फटे में टांग अड़ाएं। जब आपका घर एकदम सुचारू रूप से चल रहा हो, रसोई से पकवानों की खुशबू आ रही हो, तब वे अपनी खिड़की से झाँककर बड़े मासूम चेहरे से पूछते हैं कि, अरे भाई, आपके घर में जो कड़ाही चढ़ी है, उसके तेल की बू कुछ तीखी सी आ रही है। सब खैरियत तो है?

उस नीले-सफेद आसमान वाले ठंडे मुल्क की उन विदेशी पत्रकार महोदया को भी हमारे यहाँ की इस तपती हुई लोकतांत्रिक गर्मी की कुछ ज्यादा ही

फिक्र हो रही थी। उनकी यह फिक्र बिल्कुल वैसी ही दिखाई देती है जैसे किसी मोहल्ले की कोई बुजुर्ग ताई किसी नए-नवेले दूल्हे को घेरकर पूछने लगे कि, सुना है तुम अपनी दुल्हन को बोलने ही नहीं देते, उसकी आवाज बाहर तक क्यों नहीं आती?

ताई रूपी इन जोशी पड़ोसियों के तीखे सवालों पर हमारे सिस्टम का बिल्कुल खामोश हो जाना और अपने फोन को साइलेंट मोड पर डाल लेना एक बेहद मजेदार और सोची-समझी प्रतिक्रिया थी। यह एक ऐसी सधी हुई कूटनीतिक चुप्पी थी जो बिना कुछ कहे भी बहुत कुछ कह जाती है। एक ऐसी चुप्पी जो सामने वाले के चेहरे पर देखकर मुस्कुराते हुए कहती है कि, तुम ठहरे परदेसी, तुम्हें हमारे घर के अंदरूनी झगड़ों की कड़वाहट और हमारे आपसी प्यार की गहराई के बारे में भला क्या खाक पता होगा!

जब उस अंतरराष्ट्रीय मंच से लोकतंत्र और जन अधिकारों जैसे भारी-भरकम शब्दों के गोले फेंके जा रहे थे, तब हमारा पूरा तंत्र मन ही मन सोच रहा था कि तुमने पूछा तो पूछा, पर हम तुम्हें जवाब देकर मुफ्त का फुटेज और टीआरपी क्यों दें? आखिर कैमरे के सामने नो कॉमेंट्स कहकर रहस्यमयी मुस्कान बिखेरने की जो कला हमारे साहब को आती है, वह दुनिया की किस यूनिवर्सिटी में सिखाई जाती है?

इस पूरे अंतरराष्ट्रीय नाटक का सबसे दिलचस्प और यू-टर्न वाला मोड़ तब आता है, जब यही सुलगता हुआ सवाल देश के भीतर का ही कोई विपक्षी या अपना स्वदेशी और घरेलू पत्रकार पूछ बैठता है। यहाँ आकर सत्ता का व्याकरण और नियम एकदम सीधे और स्पष्ट हो जाते हैं।

सात समंदर पार का गोरी चमड़ी वाला विदेशी पत्रकार सवाल पूछे, तो हम होठों पर वैश्विक मुस्कान बिखेरकर और जोशी पड़ोसी गाते हुए बगल से सुरक्षित निकल सकते हैं। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मंच पर अतिथि देवो भव का पालन करते हुए उन्हें चाय-समोसा खिलाना और हाथ मिलाकर विदा करना हमारी कूटनीति की महान कला है। लेकिन जैसे ही वही सुलगता हुआ सवाल अपने ही घर का कोई पत्रकार पूछ लेता है, तो तंत्र की भौहें तन जाती हैं और आँखों में अंगारे उतर आते हैं कि,अच्छा! तुम्हारी इतनी जुर्रत कि तुम सवाल करो? तुम देशद्रोही हो या किसी विदेशी टूलकिट का हिस्सा?

विदेशी मेहमानों के सामने जिस खामोशी को कूटनीति का मास्टरस्ट्रोक बताया जाता है, वही चुप्पी जब घर के अंदर देश के नागरिकों पर लागू होती है तो उसे अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से जोड़ दिया जाता है। घरेलू पत्रकार अगर ज्यादा समझदार या सयाना बनने की कोशिश करे तो उसे बहुत सलीके से याद दिला दिया जाता है कि, बेटा! इस मोहल्ले का राशन कार्ड, तुम्हारी नौकरी और तुम्हारी फाइलें हमारे ई डी, आई टी दफ्तर की दराजों में ही बंद हैं। हमारे यहाँ अब सवालों की भी नागरिकता तय कर दी गई है। अगर सवाल विदेशी पासपोर्ट के साथ आए तो उसे इंटरनेशनल प्रोपेगेंडा बताकर खारिज किया जाता है, और अगर सवाल देसी जुबान में निकले तो उसे देश को बदनाम करने की साजिश मानकर सीधे कूड़ेदान के हवाले कर दिया जाता है। महामंत्र है , हे संजय ! तू पूछता बहुत है, पूछ मत , सुन और ताली बजा!

इसलिए अगली बार जब भी समाज, तंत्र या दफ्तर में कोई ऐसा तीखा सवाल पूछ ले जिसका सीधा जवाब मौजूद न हो, या जिसे सुनते ही ब्लड प्रेशर बढ़ने लगे, तो बिल्कुल घबराने की जरूरत नहीं है। बस एक गहरी सांस लीजिए, सामने लगे कैमरे की तरफ देखकर एक सम्मोहक, टेलीप्रॉम्प्टर वाली मुस्कान बिखेरिए और मन ही मन गुनगुनाना शुरू कर दीजिए, जोशी पड़ोसी कुछ भी बोले, हम कुछ नहीं बोलेगा... सच तो यह है कि ट्यूलिप के फूल तो सिर्फ कुछ दिन महकते हैं, असली खुशबू तो अपनी कड़ाही के तीखे तेल में ही होती है!

सुशासन तिहार आवेदनों के निराकरण पर कलेक्टर सख्त

30 दिन में गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश, सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग होगी अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों और जनशिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे अनिल कुमार सिदार सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदार एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार 30 दिवस में निराकरण अनिवार्य: कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों का 30 दिनों के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल शिविरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जिला से ग्राम स्तर तक आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान होना चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिस स्तर का आवेदन हो उसका निराकरण उसी स्तर पर किया जाए जनपद एवं नगरीय निकायों से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

राशन कार्ड, पीएम किसान और आरटीआई प्रकरणों पर फोकस: खाद्य विभाग को राशन कार्ड संबंधी लंबित प्रकरण तीन दिवस में निराकरण करने के निर्देश दिए गए वहीं पीएम किसान सम्मान निधि योजना की नियमित समीक्षा और आरटीआई से जुड़े लंबित मामलों की सूची साझा करने को कहा गया। समस्त विभागीय जिला अधिकारियों को आरटीआई पोर्टल में ऑनबोर्ड होने के निर्देश दिये गये है।

जनदर्शन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा: बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त आर्थिक सहायता, भूमि विवाद, अतिक्रमण, अवैध उत्खनन, नियुक्ति, राशन कार्ड, रेत खनन और सामाजिक समस्याओं से जुड़े आवेदनों की समीक्षा की गई संबंधित विभागों और अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

भालू हमले के पीड़ित को जल्द सहायता देने के निर्देश: वन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को भालू हमले में घायल व्यक्ति के प्रकरण का निरीक्षण कर 50 हजार की सहायता राशि का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया।

शिक्षा विभाग की समीक्षा में अनुपस्थित शिक्षक पर कार्रवाई के निर्देश: कलेक्टर ने स्कूल मरम्मत कार्यों, नए स्कूलों की सूची और विभिन्न योजनाओं की स्वीकृतियों की जानकारी तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी सामने आया कि घाघरा-रामानुजनगर क्षेत्र का एक शिक्षक तीन वर्षों से अनुपस्थित है, जिस पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।

सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य: बैठक में जल संरक्षण को लेकर बड़ा निर्णय लेते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य रूप से स्थापित करने के निर्देश दिए। जहां व्यवस्था खराब है वहां मरम्मत प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्यवाही करने को कहा गया।

जन शिकायतों के निराकरण में सिर्फ औपचारिकता नहीं चलेगी: पीएम पोर्टल और सीजी पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शिकायतों के समाधान में केवल औपचारिकता नहीं बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए लंबे समय से लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन कलेक्टर जनदर्शन लोक सेवा गारंटी तथा ई-ऑफिस आधार बेस अटेंडेंस की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये हैं बैठक में महतारी वंदन योजना के केवाईसी, आयुष्मान योजना, आधार अपडेट, सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण और आंगनबाड़ी स्तर पर बालिकाओं के शत-प्रतिशत टीकाकरण की समीक्षा की गई।

प्रधान आरक्षक एवं एएसआई (कम्प्यूटर) भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा 7 से 9 जून तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। प्रधान आरक्षक (कम्प्यूटर) एवं सहायक उप निरीक्षक (कम्प्यूटर) के कुल 89 पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीपीटी) 7 जून से 9 जून 2026 तक आयोजित की जाएगी यह जानकारी सहायक पुलिस महानिरीक्षक चयन/भर्ती गोपाल सिंह धाकड़ ने दी मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा इन पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा 24 मार्च से 25 मार्च 2026 तक आयोजित कराई गई थी। परीक्षा का परिणाम 8 मई 2026 को कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट पर घोषित किया जा चुका है ऑनलाइन परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को अब भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण यानी शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होना होगा शारीरिक दक्षता परीक्षा के अंतर्गत अभ्यर्थियों की 800 मीटर दौड़ एवं दस्तावेज परीक्षण किया जाएगा। परीक्षा भोपाल के लाल परेड ग्राउंड, जहांगीराबाद तथा जबलपुर के परेड ग्राउंड, 6वीं वाहिनी विसबल, रांझी में आयोजित होगी सहायक पुलिस महानिरीक्षक चयन/भर्ती श्री धाकड़ ने बताया कि ऑनलाइन परीक्षा में सफल उम्मीदवार मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट से अपना सूचना पत्र डाउनलोड कर निर्धारित परीक्षा केंद्र पर समय पर उपस्थित हों। प्रत्येक अभ्यर्थी को केवल उसी दिनांक और स्थान पर उपस्थित होना होगा, जो उन्हें आवंटित किया गया है। परीक्षा केंद्र या तिथि में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाएगा उन्होंने बताया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा के विभिन्न चरणों में आधार ई-केवाईसी सत्यापन भी कराया जाएगा इसलिए सभी अभ्यर्थियों को अपना आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका आधार नंबर लॉक न हो दस्तावेज परीक्षण के लिए उम्मीदवारों को सभी आवश्यक मूल प्रमाण-पत्र तथा उनकी स्वयं प्रमाणित छायाप्रति साथ लेकर उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

संकट में सहारा बनी प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना चंदा बाई के निधन के बाद परिवार को मिला 2 लाख रुपए का बीमा लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं आज ग्रामीण परिवारों के लिए कठिन समय में मजबूत सहारा साबित हो रही हैं ग्राम अमृतधारा, पंचायत लाई निवासी स्वर्गीय चंदा बाई की कहानी इसका प्रेरणादायक उदाहरण है महिला समूह से जुड़कर उन्होंने न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी जागरूक करने का कार्य किया चंदा बाई नारायणी कुबेर महिला समूह की अध्यक्ष थीं। वे समूह की बैठकों में महिलाओं को बचत, आत्मनिर्भरता और शासन की योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित करती थीं इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत अपना बीमा कराया था 15 सितंबर 2025 को चंदा बाई का आकस्मिक निधन हो गया उनके निधन के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझने लगा। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना परिवार के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, बरबसपुर शाखा के माध्यम से उनके परिजनों को 2 लाख रुपए की बीमा दावा राशि प्रदान की गई इस सहायता राशि से परिवार को आर्थिक संबल मिला और संकट की घड़ी में सहारा प्राप्त हुआ यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की उपयोगिता को भी दर्शाती है। बेहद कम प्रीमियम वाली यह योजना जरूरत पड़ने पर परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है चंदा बाई की दूरदर्शिता और जागरूकता आज गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है महिला समूहों ग्रामीण बैंक और शासन की संयुक्त पहल से गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है इससे ग्रामीण परिवार भविष्य के प्रति अधिक जागरूक और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

जनजातीय गरिमा उत्सव अभियान से गांव-गांव पहुंच रही योजनाए

स्वास्थ्य शिविर, जनसुनवाई और जागरूकता कार्यक्रमों से आदिवासी क्षेत्रों में बढ़ रही सहभागिता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में 18 मई से 25 मई 2026 तक जनजातीय गरिमा उत्सव अभियान का आयोजन किया जा रहा है यह अभियान जनजातीय समाज के सम्मान अधिकार और विकास को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आया है। अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रयास किया जा रहा है अभियान के तहत जिले के विभिन्न जनजातीय गांवों एवं आदि सेवा केंद्रों में जनसुनवाई, स्वास्थ्य शिविर, ग्राम भ्रमण, पौधारोपण तथा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं प्रशासन द्वारा दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में पहुंचकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके जिले के अधिकारी एवं कर्मचारी ब्लॉकवार ग्राम पंचायतों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद कर रहे हैं इस दौरान लोगों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही निराकरण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है ग्राम स्तर पर आयोजित शिविरों में पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है अधिकारी ग्रामीणों को आवेदन प्रक्रिया पात्रता और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर जागरूक कर रहे हैं। इससे ग्रामीणों में योजनाओं के प्रति विश्वास और जागरूकता बढ़ रही है स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है वहीं पौधारोपण कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया जा रहा है विभिन्न विभागों के समन्वय से जनजातीय क्षेत्रों में विकास और जनकल्याण की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है जनजातीय गरिमा उत्सव अभियान जनजातीय समाज की सहभागिता, सम्मान और विश्वास को मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। यह अभियान ग्रामीणों के बीच सकारात्मक संदेश पहुंचाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

तेंदूपत्ता की बढ़ी दर से बदली जिंदगी : बहेराटोला के अमोल सिंह बोले-सरकार ने वनवासियों को दिया सम्मान और संबल

5500 रुपये प्रति मानक बोरा खरीदी से संग्राहकों में खुशी की लहर, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्राम बहेराटोला निवासी एवं तेंदूपत्ता संग्राहक अमोल सिंह के चेहरे पर इन दिनों नई उम्मीद और खुशी साफ दिखाई दे रही है। राज्य सरकार द्वारा तेंदूपत्ता खरीदी की दर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा किए जाने के निर्णय ने उनके जैसे हजारों वनवासी परिवारों के जीवन में आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास का नया संचार किया है अमोल सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण ग्रामीण और वनवासी परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार है जिससे हर वर्ष हजारों परिवार अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करते हैं उन्होंने कहा कि पहले मेहनत के मुकाबले आय सीमित थी, लेकिन अब समर्थन मूल्य बढ़ने से मेहनतकश संग्राहकों को उनके श्रम का बेहतर प्रतिफल मिल रहा है। इससे परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और घर की आवश्यक जरूरतों को पूरा करना पहले की तुलना में अधिक आसान हो गया है। अमोल सिंह बताते हैं कि बढ़ी हुई राशि से अब वे अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और घरेलू जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर पा रहे हैं।

वन क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के लिए यह निर्णय राहत और सम्मान दोनों लेकर आया है। ग्रामीणों में सरकार के प्रति विश्वास और उत्साह भी बढ़ा है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीबों, श्रमिकों, किसानों और वनवासियों के हित में संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है जिससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं अमोल सिंह ने अंत में कहा कि सरकार के ऐसे श्रमिक हितैषी और लोक कल्याणकारी निर्णयों से तेंदूपत्ता संग्राहकों को आर्थिक सुरक्षा मिली है तथा वनवासी परिवारों का जीवन स्तर लगातार बेहतर हो रहा है उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी प्रदेश सरकार इसी तरह वनवासियों और श्रमिक वर्ग के हितों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

सुशासन तिहार में संवेदनशील पहल 85 प्रतिशत दिव्यांग छोटेलाल को मिला मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

जनदर्शन में पहुंची फरियाद पर कलेक्टर ने मौके पर दिए निर्देश, चेहरे पर लौटी मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य में चल रहे सुशासन तिहार के बीच जिले में प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है साप्ताहिक जनदर्शन में पहुंचे 85 प्रतिशत दिव्यांग हितग्राही छोटेलाल को कलेक्टर के निर्देश पर मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी गई है। जनपद पंचायत भरतपुर के दूरस्थ ग्राम जामथान (पोस्ट कॅजिया) निवासी 55 वर्षीय छोटेलाल अपने आवेदन के साथ जनदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्टर से निवेदन किया कि शारीरिक असमर्थता के कारण उन्हें आवागमन में भारी परेशानी होती है, इसलिए उन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने दिखाई संवेदनशीलता, मौके पर दिए निर्देश: हितग्राही की बात सुनते ही कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। दस्तावेजों की जांच में छोटेलाल की 85 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाणित पाई गई, जिसके आधार पर उन्हें योजना के तहत पात्र माना गया। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सुशासन की भावना के अनुरूप बिना अनावश्यक औपचारिकता के हितग्राही को जल्द से जल्द मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाए। अब सफर आसान होगा मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल की स्वीकृति की जानकारी मिलते ही छोटेलाल के चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने जिला प्रशासन और कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका दैनिक आवागमन काफी आसान हो सकेगा।

सुशासन तिहार का दिख रहा असर: जिले में आयोजित 'सुशासन तिहार' का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। प्रशासन लगातार जनदर्शन और शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है।

दिव्यांग और बुजुर्गों की सेवा प्राथमिकता कलेक्टर: कलेक्टर ने कहा कि दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि पात्र हितग्राहियों को अपने अधिकारों के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े।

संवेदनशील प्रशासन की मिसाल: छोटेलाल को मिली यह राहत केवल एक सहायता नहीं, बल्कि प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली और सुशासन की प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बन गई है।

डबरी से बदलेगी ग्रामीणों की तकदीर : मनरेगा से मिल रहा रोजगार, आजीविका और आत्मनिर्भरता का नया आधार

विकसित भारत-जी राम जी मिशन बना ग्रामीणों के जीवन परिवर्तन का माध्यम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण विकास की नई सोच और रोजगार की मजबूत गारंटी के साथ 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) - VB&G RAM G Act 2025 गांवों में बदलाव की नई इबारत लिख रहा है। सम्मान की रोटी हक का रोजगार के संकल्प के साथ अब ग्रामीण परिवारों को 100 नहीं बल्कि 125 दिनों की रोजगार गारंटी प्रदान की जाएगी जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायतों में वर्तमान में 154 हितग्राही मूलक आजीविका डबरी निर्माण कार्य तेजी से प्रगतिरत हैं। इन कार्यों के माध्यम से ग्रामीणों को मनरेगा योजनाओं के तहत निरंतर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है वहीं दूसरी ओर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की जा रही है डबरी निर्माण से ग्रामीणों को अब सिर्फ मजदूरी ही नहीं मिल रही, बल्कि जल संरक्षण सिंचाई सुविधा और आजीविका के स्थायी साधन भी विकसित हो रहे हैं। इन डबरियों का उपयोग मछली पालन कृषि कार्य एवं भू-जल पुनर्भरण के लिए किया जाएगा, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और जल संकट कम करने में मदद मिलेगी यह मिशन जल संरक्षण जल-स्रोतों के पुनर्जीवन सिंचाई विस्तार, वाटरशेड विकास और वनीकरण जैसे कार्यों पर विशेष फोकस कर रहा है। साथ ही पंचायत स्तर पर विकसित ग्राम पंचायत योजना (VGPP) के माध्यम से सभी योजनाओं का समन्वय कर गांवों के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है मनरेगा श्रमिकों को शिविरों एवं कार्यस्थलों पर विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम 2025 की जानकारी भी दी जा रही है। श्रमिकों को बताया जा रहा है कि अब उन्हें 125 दिवस तक रोजगार, समय पर मजदूरी भुगतान देरी होने पर मुआवजा तथा बेरोजगारी भत्ते के बेहतर प्रावधानों का लाभ मिलेगा यह पहल केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है बल्कि ग्रामीणों को सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है एम्पावरमेंट ग्रोथ कन्वर्जेंस और सैचुरेशन की अवधारणा पर आधारित यह मिशन पंचायतों को सर्कुलर इकॉनमी से जोड़ते हुए ग्रामीण भारत के सतत विकास का नया मॉडल प्रस्तुत कर रहा है छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर ग्रामीण विकास की यह नई गारंटी गांवों में उम्मीद आत्मविश्वास और समृद्धि की नई किरण लेकर आई है। विकसित भारत के संकल्प के साथ मनेंद्रगढ़ विकासखंड के गांव अब रोजगार जल सुरक्षा और आत्मनिर्भर आजीविका की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

अशोकनगर पुलिस की बड़ी सफलता 6 घंटे में नाबालिग आदिवासी बालिका को सकुशल कराया मुक्त, चार आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। अशोकनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 6 घंटे के भीतर नाबालिग आदिवासी बालिका के अपहरण का खुलासा कर उसे सकुशल मुक्त करा लिया। मामले में एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जानकारी के अनुसार 23 मई की सुबह 17 वर्षीय नाबालिग बालिका घर से बाहर शौच के लिए निकली थी इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उसे जबरन वाहन में बैठाकर अपहरण कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में तीन विशेष टीमों का गठन कर तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस को आरोपियों के राजगढ़ जिले की ओर जाने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने ब्यावरा के पास वाहन सहित महिला आरोपी गुड्डी बाई गुर्जर, नीरज जोगी और प्रेम गुर्जर को गिरफ्तार किया। पूछताछ के आधार पर नजीराबाद क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी लखन गुर्जर को पकड़ा गया तथा बालिका को सकुशल बरामद किया गया जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि पीड़िता की सगी बुआ ने ही एक लाख रुपये में बालिका का सौदा किया था पुलिस ने बुआ को भी आरोपी बनाया है फिलहाल बालिका को सुरक्षित वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है।

शादी में डांस को लेकर दो पक्षों में विवाद: पत्थरों से गाड़ी और घरों को निशाना बनाया

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम शहर के मोतीनगर क्षेत्र में शादी समारोह में डांस के दौरान विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट से लेकर पथराव तक की नौबत आ गई। पथराव में क्षेत्र में खड़ी एक कार के कांच फूट गए। मारपीट और पथराव की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

शादी समारोह में डांस के दौरान हुआ विवाद: घटनाक्रम रविवार रात का है, जिसका सीसीटीवी सोमवार दोपहर सामने आया। जानकारी के अनुसार, शहर के माणकचौक थाना क्षेत्र अंतर्गत मोतीनगर में शादी समारोह में डांस चल रहा था। इसी दौरान कुछ स्थानीय युवक डांस देखने पहुंच गए। किसी बात को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया।

वीडियो के आधार पर पुलिस कर रही तलाश

मारपीट करते हुए दोनों पक्षों के लोग सड़क पर आ गए।

इसके बाद आसपास के मकानों और खड़ी गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। पूरा घटनाक्रम क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। वीडियो में कुछ युवतियां भी नजर आ रही हैं, जो बीच-बचाव करने की कोशिश कर रही हैं। दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर पत्थर और लाठियों से हमला करते रहे।

सूचना मिलने पर रात में पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलने पर रात में पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले विवाद करने वाले लोग वहां से भाग चुके थे। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद कुछ लोग वहां से चले गए थे, लेकिन बाद में मुंह पर नकाब पहनकर लौटे और पथराव किया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस वीडियो के आधार पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है। शादी वाले पक्ष की ओर से भी किसी प्रकार की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।

वीडियो के आधार पर युवकों की पहचान में जुटी पुलिस

माणकचौक थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से कोई शिकायत नहीं आई है। दोनों पक्षों के लोग आपस में परिचित बताए जा रहे हैं। कुछ युवक थाना डीडी नगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। जिस कार के कांच फूटे हैं, उसके मालिक की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस वीडियो के आधार पर विवाद और पथराव करने वाले लोगों की पहचान कर रही है। आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी।

छतरपुर में 47 डिग्री पार पहुंचा तापमान, रेड अलर्ट जारी: रात में भी चल रहीं गर्म हवाएं; मोबाइल पर सायरन जैसे हीट वेव अलर्ट पहुंच रहे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में भीषण गर्मी ने लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। राजस्थान की ओर से आने वाली उत्तर-पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण दिन ही नहीं बल्कि शाम और रात में भी लोगों को राहत नहीं मिल रही। सोमवार को जिले के कई हिस्सों में लू जैसे हालात बने रहे। गर्म हवा के थपेड़ों ने बाजारों से लेकर सड़कों तक लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को खजुराहो में अधिकतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो औसत से 1.6 डिग्री ज्यादा रहा। नौगांव में 1 की बढ़त, पारा 46.8 पहुंचा इसी तरह नौगांव में भी गर्मी का असर बेहद तीखा रहा। यहां अधिकतम तापमान 1 डिग्री की बढ़त के साथ 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 28 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो औसत से 1.3 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में राहत की संभावना से इनकार किया है।

अगले दो दिनों के लिए रेड अलर्ट: विभाग के मुताबिक, 26 और 27 मई को जिले में हीट वेव का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 28 और 29 मई के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि रात के समय भी गर्म हवाएं चल सकती हैं, जिससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी और उमस जैसी स्थिति बनी रह सकती है। हालांकि 30 और 31 मई को तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है, लेकिन इससे तापमान में बड़ी गिरावट की उम्मीद नहीं है। उल्टा बारिश के बाद उमस बढ़ सकती है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ेगी।

लगातार मोबाइल पर पहुंच रहे हीट वेव अलर्ट: जिले में गर्मी की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन और मौसम विभाग द्वारा लगातार हीट वेव अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। सोमवार दोपहर भी लोगों के मोबाइल फोन पर रेड अलर्ट के संदेश पहुंचे। इन अलर्ट मैसेज की आवाज सायरन जैसी होने के कारण कई लोग अचानक घबरा जाते हैं। हालांकि अब अधिकांश लोगों को समझ आने लगा है कि यह हीट वेव की चेतावनी है। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को दोपहर में घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और जरूरी होने पर ही यात्रा करने की सलाह दी है।

नशा मुक्ति के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सीहोर स्थित संकल्प नशा मुक्ति केंद्र में योग प्रशिक्षण आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी डॉ नेहा सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य रिहैबिलिटेशन सेंटर में आने वाले नशे से पीड़ित व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना और उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना है। प्रशिक्षण में सभी को योग का अभ्यास कराया गया और नशा छोड़ने के लिए निकोटिन टैबलेट इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। इसके साथ ही सभी को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में 25 से 31 मई तक नशा मुक्ति के लिए जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जमुनिया घाटी में सड़क पार करता दिखा भालू

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। जिले के सिलवानी क्षेत्र की जमुनिया घाटी में रविवार शाम एक काला भालू सड़क पार करता दिखा। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने इसका वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया। कुछ ही देर में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत और चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों के मुताबिक भीषण गर्मी के चलते जंगलों में पानी के स्रोत लगातार सूख रहे हैं। यही वजह है कि जंगली जानवर पानी और भोजन की तलाश में आबादी वाले इलाकों और सड़कों तक पहुंच रहे हैं। जमुनिया घाटी में दिखा भालू भी इसी वजह से जंगल से बाहर आया माना जा रहा है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग अलर्ट हो गया है। विभाग ने घाटी और जंगल क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक से मारपीट

मीडिया ऑडीटर, बुधनी (निप्र)। बुधनी. ग्राम तालपुरा डूब निवासी दीपक भील ने बुधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 24 मई की रात करीब 10 बजे गांव के अजय भील, राजकुमार भील और रविन भील उसके घर पहुंचे। आरोप है कि पुरानी रिपोर्ट की बात को लेकर तीनों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर दीपक के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि जाते समय आरोपी रिपोर्ट वापस नहीं लेने पर जान से खत्म करने की धमकी देकर चले गए।

ई-उपार्जन पोर्टल पर ग्रीष्मकालीन मूंग के पंजीयन प्रारंभ, पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जून

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर 25 मई से ग्रीष्मकालीन मूंग के पंजीयन प्रारंभ हो गए हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जून 2026 है। जिन भी किसानों ने मूंग की बुवाई की है वे शासकीय अवकाश दिवसों को छोड़कर अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर निर्धारित लिंक से पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय तथा सहकारी समितियों द्वारा संचालित सुविधा केंद्रो पर भी पंजीयन कराया जा सकता है।

बेटे की मौत के गम में मां ने तोड़ा दम, छतरपुर में उल्टी-दस्त के बाद कराया था भर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में उल्टी-दस्त से पीड़ित 6 साल के मासूम बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटे की मौत का सदमा उसकी मां सहन नहीं कर सकी और उसने भी दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद परिवार सहित पूरे मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है। मां और बेटे की की मौत की घटना सोमवार रात की है, मंगलवार को जिला अस्पताल में दोनों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

बेटे की मौत के कुछ देर बाद मां की भी मौत: जानकारी के मुताबिक सोमवार शाम करीब 7 बजे हरपालपुर नगर के स्टेशन मोहल्ला निवासी 6 वर्षीय हुसैन, पिता सुभान अहमद की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। बच्चे को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर परिजन पहले उसे हरपालपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे नौगांव अस्पताल रेफर कर दिया। नौगांव अस्पताल में भी बच्चे की हालत में सुधार नहीं हुआ। लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल छतरपुर भेज दिया। परिजन गंभीर हालत में बच्चे को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बेटे की मौत की खबर सुनते ही बिगड़ी मां की तबीयत: बताया जा रहा है कि बेटे हुसैन की मौत की खबर सुनते ही उसकी मां 36 वर्षीय रजिया खातून गहरे सदमे में आ गई। परिजनों के मुताबिक वह लगातार रो रही थीं और कुछ ही देर बाद उनकी भी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

परिजन बोले- हीटवेव की वजह से गई जान: बच्चे के परिजन मो. सलीम का कहना है कि हीटवेव के चलते बच्चे की मौत हुई। मां बच्चे की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी। जिससे उसकी भी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक बच्चे के पेट में दर्द हुआ जिसे हरपालपुर नगर के स्थानीय अस्पताल ले नौगांव अस्पताल रेफर किया गया। उसके बाद नौगांव में भी गंभीर हालत होने पर डॉक्टरों ने छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस दौरान गाड़ी में रास्ते में ही बच्चे की हालत बिगड़ती देख मां की भी तबीयत खराब हो गई। वह बच्चे को गोद में लिए बैठी थी अस्पताल पहुंचने पर दोनों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मां-बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में भीड़ जमा हो गई। जिला अस्पताल में मंगलवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम भी बच्चे की बीमारी और मौत के कारणों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

बारात लेकर जा रही तूफान गाड़ी पलटी, ड्राइवर की मौत: खंडवा में साफ्ट टूटने पर पेड़ से टकराई; 8 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा-अमरावती स्टेट हाईवे पर सोमवार दोपहर एक हादसे में तूफान गाड़ी पलट गई। हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि करीब 8 लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक बालक और ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। हादसे की वजह गाड़ी का शाफ्ट टूटना बताया जा रहा है, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया।

बारात लेकर जा रही थी तूफान गाड़ी: खंडवा जिला अस्पताल में भर्ती घायल प्यारेलाल ने बताया कि वे लोग पंधाना ब्लॉक के चांदपुर गांव से खालवा ब्लॉक के ग्राम कुतबी जा रहे थे। उनके एक रिश्तेदार के लड़के की बारात जा रही थी। बारात में दो पिकअप वाहन और तीन तूफान गाड़ियां शामिल थीं। सभी पांच वाहन आगे-पीछे चल रहे थे। इसी दौरान गुड़ी के आगे जंगल में तेलिया बाबा के पास हादसा हो गया।

इटारसी के शौर्य संकल्प शिविर में 5 छात्र बीमार

खाना खाने के बाद बिगड़ी तबीयत, एक की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में मध्य प्रदेश सरकार की 'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना' के तहत चल रहे आवासीय शिविर में रविवार रात पांच छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। भोजन करने के बाद अचानक उनकी सेहत खराब हुई। इनमें से एक छात्र की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इटारसी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह 45 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। रविवार रात भोजन के कुछ देर बाद रितेश यादव, विवेक गौर, रोहित यादव, विवेक केवट और जतिन पटवा की तबीयत खराब हो गई। छात्रों को उल्टी, पेट दर्द और डिहाइड्रेशन की शिकायत हुई, जिससे शिविर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सभी बीमार छात्रों को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

ड्यूटी डॉक्टर डॉ. विकास जेतपुरिया के अनुसार, छात्रों में फूड पॉयजनिंग जैसे लक्षण दिखे थे। प्राथमिक उपचार के बाद चार छात्रों को छुट्टी दे दी गई, जबकि एक छात्र को अभी भी निगरानी में रखा गया है। हालांकि, प्रशासन और विभागीय अधिकारियों ने फूड पॉयजनिंग की आशंका को खारिज किया है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक पुष्पेंद्र वर्मा ने बताया कि शिविर में लगभग 100 से 150 छात्रों ने एक ही भोजन किया था।

आईटीआई. से रोजगार के साथ 12वीं समकक्षता एवं अग्निवीर भर्ती में मिलेगा अतिरिक्त लाभ

शासकीय आईटीआई विदिशा की अभिभावकों एवं प्रशिक्षणार्थियों से अपील

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ होने जा रही है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बन चुके हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) द्वारा प्रदान किया जाने वाला प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी दक्षता, व्यवहारिक ज्ञान एवं रोजगारपरक कौशल प्रदान करता है, जिससे वे आत्मनिर्भर

बनकर रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में सफल हो रहे हैं। शा.आईटीआई विदिशा प्राचार्या ने जानकारी देते हुए बताया कि दो वर्षीय आई.टी.आई. ट्रेड पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को निर्धारित विषयों के साथ 12वीं कक्षा की समकक्षता प्रमाण पत्र प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इससे प्रशिक्षणार्थी आगे उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पात्रता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में आई. टी. आई. उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को अतिरिक्त अंक का लाभ भी प्रदान किया जाता है, जिससे चयन की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। तकनीकी दक्षता के कारण आईटीआई प्रशिक्षणार्थियों की मांग उद्योगों एवं विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही है।

अग्निवीर भर्ती में आईटीआई प्रशिक्षणार्थियों को ट्रेड एवं योग्यता के अनुसार अतिरिक्त बोनस अंक दिए जाते हैं, विशेष रूप

से अगनिवीर टेक्निकल श्रेणी में। वर्तमान भर्ती अधिसूचनाओं के अनुसार 10वीं . 2 वर्षीय आईटीआई कोर्स 20 बोनस अंक, 12वीं . 1 वर्षीय आईटीआई कोर्स 30 बोनस अंक, 12वीं . 2 वर्षीय आईटीआई कोर्स 40 बोनस अंक मिलेंगे।

शासकीय आईटीआई विदिशा में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, कोपा, वेल्डर, मैकेनिक एवं अन्य रोजगारपरक ट्रेडों में प्रशिक्षण उपलब्ध है। शा. आईटीआई विदिशा ने अभिभावकों एवं प्रशिक्षणार्थियों से अपील की है कि वे आईटीआई प्रशिक्षण के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाएं।

सागर में नौतपा का कहर, 43.6 डिग्री पहुंचा, तापमान

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की लू से बचाव की एडवाइजरी, 28 मई से प्री-मानसून की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में नौतपा की शुरुआत भीषण गर्मी के साथ हुई है। नौतपा के दूसरे दिन मंगलवार को सुबह 9:30 बजे से ही तल्ख धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। दोपहर के समय झुलसाने वाली धूप के कारण बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लगातार बढ़ते पारे और लू के प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में विशेष एडवाइजरी जारी की है।

तापमान और मौसम का पूर्वानुमान: वर्तमान स्थितिः जिले में दिन का अधिकतम तापमान उछलकर 43.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है, जबकि न्यूनतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगामी अनुमानः मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक भीषण गर्मी का यह दौर जारी रहेगा। इसके बाद 28 मई से बादल छाने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश के साथ प्री-मानसून एक्टिविटी शुरू होने की संभावना है।

लू लगने के प्रमुख लक्षण और प्राथमिक उपचार: स्वास्थ्य विभाग ने लू (हीट स्ट्रोक) के लक्षणों को पहचानने और तुरंत उपाय करने की सलाह दी है... लक्षणः सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्यधिक पसीना, बेहोशी, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन और नब्ज का असामान्य होना।

प्राथमिक उपचार

प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छायादार जगह पर लिटाएं और उसके कपड़े ढीले करें। शरीर का तापमान कम करने के लिए ठंडे पानी की पट्टियां रखें और कच्चे आम का पना पिलाएं। इसके बाद तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं।

गर्मी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की सलाह

पर्याप्त तरल पदार्थ लेंः प्यास न होने पर भी पानी पीते रहें। यात्रा के दौरान पानी साथ रखें। पानी, छाछ, ओआरएस (ORS) घोल, लस्सी, नींबू पानी और आम के पने का अधिक सेवन करें।

सही पहनावा

सूती, ढीले और आरामदायक कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय सिर को टोपी, कपड़े या छतरी से जरूर ढकें।

खान-पान का ध्यान

उच्च जल सामग्री वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं। घर से हमेशा भरपेट ताजा भोजन करके ही बाहर निकलें।

धूप से बचें

दोपहर के समय बिना अति आवश्यक काम के तेज धूप में बाहर निकलने से बचें।

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

मुम्बई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी।

अक्षर पटेल: अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सके। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है।

रुतुराज गायकवाड़: चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

ऋषभ पंत: लखनऊ सुपरजायंटस के कप्तान ऋषभ पंत, जिन्हें 27 करोड़ रुपये में टीम ने बरकरार रखा था, उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में है। पिछले दो सीजन में सुपरजायंटस का खेल कुछ ऐसा रहा है कि वे अक्सर टूर्नामेंट की शुरुआत खराब करते हैं, लेकिन जब प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर होते हैं तो खिलाड़ी फॉर्म में लौट आते हैं और कुछ मैच जीतते भी हैं। हालांकि, ऋषभ का निजी प्रदर्शन उनके स्तर के हिसाब से काफी खराब रहा है। सुपरजायंटसउन्हें एक खिलाड़ी के तौर पर रिटेन तो कर सकती है, लेकिन टीम को नए कप्तान की तलाश करनी होगी। टीम में मिचेल मार्श और एडन मारक्रम जैसे अनुभवी अंतरराष्ट्रीय कप्तान विकल्प मौजूद हैं जिन्हें जिम्मेदारी मिल सकती है।

अजिंक्य रहाणे: इस सत्र में भी कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पिछले सत्र में भी रहाणे की कप्तानी में टीम असफल रही थी। केकेआर को एक आक्रामक कप्तान की तलाश है, जो नई सोच और ऊर्जा के साथ टीम को आगे ले जा सके और उसे जीत के रास्ते पर वापस ला सके।

हार्दिक पांड्या: मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के लिए आईपीएल 2026 निराशाजनक रहा। गुजरात टाइटंस को एक ट्रॉफी जिताने और दो बार फाइनल तक पहुंचाने वाले हार्दिक की मुंबई इंडियंस में वापसी के बाद से उनका प्रदर्शन फीका पड़ा है। मुंबई की कप्तानी करते हुए उन्होंने कुल तीन सीजन में केवल एक बार ही टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया है, जबकि दो बार टीम निचले पायदान पर रही। आईपीएल 2026 में गेंद और बल्ले दोनों से उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, कप्तानी का दबाव उनके खेल पर साफ दिखा।

आईपीएल में केवल सुनील नरेन के नाम है ये अनौखा रिकार्ड

मुम्बई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर सुनील नरेन के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड है जो किसी और खिलाड़ी के नाम नहीं है। यह रिकॉर्ड है, लीग में हर एक नंबर पर बल्लेबाजी करने का। नरेन ने पारी शुरु करने से लेकर 11 वें नंबर पर भी बल्लेबाजी की है। नरेन पहली ही गेंद से आक्रामक शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में नरेन का बल्लेबाजी रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने अब तक 126 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 1820 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सबसे मजबूत पक्ष उनका स्ट्राइक रेट रहा है, जो 165.30 का है। नरेन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 1342 रन बनाये हैं और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 177.98 का हो जाता है। पारी शुरु करते हुए नरेन के बल्ले से 1 शतक और 6 अर्धशतक बनाये हैं। उनका आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ स्कोर 109 रन है, जिसमें उन्होंने विरोधी गेंदबाजों की जमकर पिटाई की थी। ये आंकड़े साबित करते हैं कि वह निचले क्रम के साधारण बल्लेबाज नहीं, बल्कि एक खतरनाक और मैच-विनिंग हिटर हैं।

वह साल 2012 सत्र से लगातार एक ही फ्रेंचाइजी केकेआर के लिए खेल रहे नरेन को टीम ने 1 से 11 तक बल्लेबाजी क्रम में हर नंबर पर आजमाया है. हालांकि, उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन शीर्ष-ऑर्डर में ही देखने को मिला, जबकि नंबर 4, 5 या 6 पर बल्लेबाजी करते हुए उनका औसत 10 रन से भी कम का रहा है।

नरेन की असली पहचान उनकी रहस्ययी स्पिन गेंदबाजी से होती है, जिससे उन्होंने बल्लेबाजों के मन में डर पैदा किया है। नरेन आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कुछ गेंदबाजों में से एक हैं और वह सबसे अधिक विकेट लेने वालों में तीसरे नंबर पर हैं। उनके नाम 207 आईपीएल विकेट दर्ज हैं। नरेन की सबसे बड़ी ताकत सिर्फ विकेट लेना ही नहीं, बल्कि रनों पर अंकुश लगाना भी है। आईपीएल जैसे हाई-स्कोरिंग लीग में भी नरेन का ओवरऑल इकोनॉमी रेट 7 के आसपास रहता है, जो उनकी सटीकता और नियंत्रण का प्रमाण है। वह आईपीएल में कई बार एक मैच में 4 या इससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा भी कर चुके हैं।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त होने के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में गुजरात टाटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार नंबर एक पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अंतिम लीग मैच में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष तीन गेंदबाजों में आ गये हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्चर ने 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसी के साथ ही आर्चर के आईपीएल 2026 सत्र में कुल 21 विकेट हो गये हैं। वे अब 14 मुकाबलों में 21 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 14 मुकाबलों में 24 विकेट लेकर नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी गेंदबाज कगिसो रबाडा इतने ही मुकाबलों में 24 विकेट विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जोफ्रा आर्चर अब 21 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। राशिद खान 14 मुकाबलों में 19 विकेट लेने के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। ऑरेंज कैप के लिए गुजरात के सुदर्शन नंबर एक पर हैं। उनके नाम 14 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से कुल 638 रन हैं।

लक्ष्य और सिंधू पर टिकी भारत की उम्मीदें

सिंगापुर, एजेंसी। 10 लाख डॉलर इनामी राशि वाले Singapore Open Super 750 टूर्नामेंट में भारत की नजरें स्टार shuttlers लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू पर टिकी होंगी। दोनों खिलाड़ी इस बड़े टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर खिताब का सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन हाल के टूर्नामेंटों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। पिछले सप्ताह वह पहले ही दौर में बाहर हो गए थे। सिंगापुर ओपन में लक्ष्य अपने अभियान की शुरुआत चीन के लू गुआंग झू के खिलाफ करेंगे। लक्ष्य इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए। अब वह इस टूर्नामेंट में दमदार वापसी करना चाहेंगे।

सिंधू के सामने कठिन पहला मुकाबला: दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पहले दौर में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी से भिड़ेंगी। सिंधू ने हाल ही में थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन लगातार बड़े टूर्नामेंटों में जल्दी बाहर होने से वह दबाव में हैं। भारतीय फैंस को उनसे इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

आयुष शेट्टी और श्रीकांत पर भी नजरें: एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी कनाडा के विक्टर लाइ के खिलाफ मुकाबला खेलेंगे। विक्टर लाइ पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुके हैं। वहीं भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का सामना 2021 विश्व चैंपियन लोह कीन यू से होगा। यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मैचों में से एक माना जा रहा है।

प्रणय और उन्नति के सामने कठिन चुनौती: विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय पहले दौर में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। महिला एकल में पोलिश ओपन विजेता उन्नति हुड्डा का मुकाबला जापान की पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन तोमोका मियाजाकी से होगा। मालविका बंसोड़ चीनी ताइपे की लिन सियांग ति के खिलाफ कोर्ट पर उतरेंगी।

पुरुष युगल में सात्विक-चिराग से उम्मीदें: पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अमेरिका के चेन झि यी और प्रेसली स्मिथ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हरिहरन अम्साकारूनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी जापान के सातवीं वरीयता प्राप्त ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से भिड़ेगी।

महिला युगल में भी भारतीय चुनौती: महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज के खिलाफ खेलेगी। वहीं रुतुपर्णा और स्वेतापर्णा पांडा का सामना थाईलैंड की फत्तारिन ए और सरिसा जानपेंग से होगा।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई, एजेंसी। एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली।

वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके। फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए, उन्होंने नाबाद 71 रनों की कप्तानी पारी खेली। वहीं तीसरे भारतीय हैं युवराज सिंह। युवराज ने ने 6 मार्च 2011 को बेंगलुरु में आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप मैच के दौरान यह जादुई प्रदर्शन किया। उन्होंने से 31 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके बाद नाबाद 50 रनों की पारी खेली।

इस विशिष्ट क्लब में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। वह दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 3 अलग-अलग एकदिवसीय डे मैचों में अर्धशतक और 5 विकेट लेने का यह दोहरा कारनामा किया है, जो किसी भी ऑलराउंडर के लिए एक अटूट रिकॉर्ड है। पहली बार अफरीदी ने 27 अक्टूबर 2000 को लाहौर के अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ से 61 रनों की तूफानी पारी खेली और 40 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके बाद, 20 नवंबर 2011 को शारजाह में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 75 रन बनाए और 35 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। तीसरी और सबसे खतरनाक बार, अफरीदी ने 14 जुलाई 2013 को प्रोविडेंस में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने तेजी से 76 रन बनाये और फिर गेंदबाजी में 12 रन देकर 7 विकेट लिए।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है।

मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

पोलार्ड ने कहा, पांड्या नेतृत्व के मामले में इस सत्र में उतने अच्छे नहीं रहे जितनी उनसे अपेक्षा थी पर सभी जानते हैं कि हमने टीम को अच्छा करने के लिए सभी अवसर दिये। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हार की स्थिति में किसी पर आरोप लगाना ठीक नहीं है बल्कि पूरी टीम को मिलकर आंकलन करना चाहिए। मुझे लगता है कि जब आप हारते हैं, खासकर, तो आपको इसे मिलकर देखना चाहिए। तो आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, पोलार्ड ने स्पष्ट किया। हालांकि, पोलार्ड ने यह भी संकेत दिया कि टीम के भविष्य और अगले सत्र से पहले होने वाले गहन रिव्यू में कुछ महत्वपूर्ण बदलावों पर चर्चा हो सकती है।

फ्रेंच ओपन 2026: 39 साल के जोकोविच की दूसरे दौर में एंट्री

पेरिस, एजेंसी। फ्रेंच ओपन 2026 के पहले दिन अनुभवी खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, जिसमें सबसे ज्यादा चर्चा नोवाक जोकोविच की रही। 39 साल के सर्बियाई स्टार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र उनके खेल के आड़े नहीं आ सकती।

जोकोविच ने अपने रिकॉर्ड 82वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में फ्रांस के 22 वर्षीय खिलाड़ी जियोवानी म्पेटशी पेरिकार्ड को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि मुकाबले की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही और उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। करीब दो घंटे 51 मिनट तक चले इस मुकाबले में जोकोविच को स्थानीय दर्शकों का समर्थन नहीं मिला, लेकिन उन्होंने दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन किया।

बैंक और कचहरी परिसर की दुकान में आग शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, समय रहते पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में मंगलवार सुबह दो अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की घटनाएं सामने आईं तिलौरा स्थित मध्यांचल ग्रामीण बैंक और मैहर तहसील परिसर की दुकानों में आग लगी दोनों ही घटनाओं में समय रहते आग पर काबू पा लिया गया जिससे बड़ा नुकसान टल गया पहली घटना मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे तिलौरा स्थित मध्यांचल ग्रामीण बैंक में हुई। बैंक बंद होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई बैंक प्रबंधन के अनुसार आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है बैंक के एक स्विच में अचानक आग भड़क उठी, जिससे धुआं निकलने लगा सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची बैंक कर्मचारियों और फायर कर्मियों ने फायर सिलेंडर की मदद से तुरंत आग पर नियंत्रण पा लिया आग ज्यादा नहीं फैली और बैंक में किसी प्रकार का बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

रीठी में अवैध शराब-गांजा बिक्री, ग्रामीण ने एसपी दफ्तर घेरा

महिलाओं ने लगाए आरोप, कहा पुलिस पर हफ्ता वसूली और नशाखोरी में शामिल

मीडिया ऑडीटर, कटनी (निप्र)। जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ ग्रामीण अब सड़कों पर उतर आए हैं रीठी थाना क्षेत्र के इमलाज और बांधा गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने पुलिस और आबकारी विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लिखित शिकायत सौंपी और जमकर नारेबाजी की ग्रामीणों का नेतृत्व कर रहे सुरेश चौधरी ने प्रशासनिक अधिकारियों को बताया कि इमलाज और बांधा गांवों में अवैध शराब और गांजे का धंधा बड़े पैमाने पर चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि फूलबाई यादव, घीसल काछी और लता चौधरी (पिता रामलाल चौधरी) खुलेआम अवैध शराब और गांजा बेच रही हैं ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की कि खुलेआम बिक रहे नशे के कारण नाबालिग बच्चे और युवा इसकी चपेट में आ रहे हैं। नशेड़ियों के जमावड़े से गांव का माहौल खराब हो गया है, जिससे महिलाओं और बेटियों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है पुलिस पर लगाए आरोप प्रदर्शनकारियों ने रीठी थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों का दावा है कि पुलिस गश्ती दल गांव में आता है लेकिन अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हीं ठिकानों पर बैठकर शराब और गांजे का सेवन करता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी अवैध कारोबारियों से हफ्ता वसूली करते हैं ग्रामीणों के अनुसार, स्थानीय स्तर पर कई बार शिकायतें की गईं लेकिन पुलिस की कथित साठगांठ के कारण कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे तस्करों के हौसले बुलंद हो गए हैं पुलिस टीम मौके पर पहुंची इस संबंध मे एएसपी डॉ. डेहरिया का कहना कि ?ग्रामीणों द्वारा अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के संबंध में शिकायत मिली है सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को मौके के लिए रवाना कर दिया गया है जिन स्थानों पर अवैध गतिविधियों की बात कही गई है वहां पहले भी नियमानुसार कार्रवाई की जा चुकी है जहां तक पुलिसकर्मियों द्वारा पैसे (हफ्ता) लेने और नशा करने के आरोप का सवाल है, इस पर शिकायतकर्ताओं ने कोई साक्ष्य उपलब्ध नही कराए है इसकी विभागीय जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

जैतवारा के शिवांश किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप पर नापतोल विभाग की कार्रवाई टूटा मेजर मिलने पर जांच टीम ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के जैतवारा स्थित शिवांश किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप पर अनियमितताओं की शिकायत मिलने के बाद नापतोल विभाग की टीम ने निरीक्षण कर कार्रवाई की जांच के दौरान पेट्रोल पंप में उपयोग किया जा रहा एक मेजर टूटा हुआ पाया गया जिस पर एम-सील लगाकर उसका उपयोग किया जा रहा था।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह मामला विधिक माप अधिनियम 2011 की धारा 19(7) का उल्लंघन है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पेट्रोल पंप की मशीनों और माप संबंधी उपकरणों की जांच की। जांच में अनियमितता पाए जाने पर विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई प्रारंभ कर दी है तथा पेट्रोल पंप संचालक पर जुर्माना लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है कार्रवाई के दौरान शिकायतकर्ता अरुण गौतम भी मौके पर उपस्थित रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल पंप संचालक हरीश अग्रवाल, जो भाजपा जिला मंत्री बताए जा रहे हैं लंबे समय से मनमाने तरीके से पेट्रोल पंप का संचालन कर रहे थे शिकायत मिलने के बाद विभाग द्वारा जांच कर कार्रवाई की गई।

स्थानीय लोगों ने विभागीय कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को सही मात्रा में ईंधन मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। लोगों का कहना है कि जिले के अन्य पेट्रोल पंपों की भी नियमित जांच होनी चाहिए, ताकि माप-तौल में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके और उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रह सकें नापतोल विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी विभाग आगे भी जिले में जांच अभियान जारी रखेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शराबी युवक के हंगामे के बीच अस्पताल स्टाफ ने दिखाई जिम्मेदारी

डॉक्टरों और नर्सिंग कर्मियों ने संयम से संभाली स्थिति, मरीजों की सुरक्षा को दी प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सिविल अस्पताल मैहर में शराब के नशे में पहुंचे एक युवक द्वारा किए गए हंगामे से कुछ समय के लिए अस्पताल का माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने धैर्य, संयम और पेशेवर जिम्मेदारी का परिचय देते हुए स्थिति को शांतिपूर्वक नियंत्रित कर लिया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक नशे की हालत में अस्पताल पहुंचा और वहां मौजूद डॉक्टरों तथा नर्सिंग कर्मियों से गाली-गलौज एवं अभद्र व्यवहार करने लगा। अस्पताल कर्मचारियों ने पहले उसे समझाने और शांत कराने का प्रयास किया उसे सलाह दी गई कि वह नशा उतरने के बाद अस्पताल आए, लेकिन युवक लगातार विवाद करता रहा स्थिति बिगड़ने के बावजूद अस्पताल स्टाफ ने संयम नहीं खोया और मरीजों की सुरक्षा तथा उपचार व्यवस्था को प्रभावित नहीं होने दिया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और नर्सिंग कर्मियों ने यह सुनिश्चित किया कि अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े घटना के बाद स्थानीय लोगों ने अस्पताल कर्मचारियों के व्यवहार और धैर्य की सराहना की है। लोगों का कहना है कि दिन-रात मरीजों की सेवा में लगे डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ इस प्रकार की अभद्रता दुर्भाग्यपूर्ण है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए स्थानीय नागरिकों ने अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत किए जाने की मांग भी उठाई है उनका कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सके। टाफ द्वारा विपरीत परिस्थितियों में दिखाई गई शालीनता और जिम्मेदारी को लोगों ने सराहनीय बताया है।

जमीन विवाद में चले तलवार, चाकू और डंडे, फौजी समेत 5 पर केस, दूसरे पक्ष ने भी शिकायत की वीडियो

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के कंदवा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक विवाद हो गया दोनों पक्षों में तलवार, चाकू और डंडे चले जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए घटना का एक वीडियो भी मंगलवार दोपहर को घटना का वीडियो सामने आया रामपुर बघेलान थाना पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर फौजी सहित पांच लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली है वहीं दूसरे पक्ष ने भी पांच लोगों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

लंबे समय से चल रहा था जमीन विवाद: हले पक्ष के राजकिशोर तिवारी ने बताया कि उनके परिवार और गांव के ही पंकज तिवारी, मुनेंद्र तिवारी, दिनेश तिवारी तथा अभिषेक तिवारी के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है बीते 25 मई की शाम करीब 6 बजे उनकी माता तुलसी देवी घर के दरवाजे पर बैठी थीं आरोप है कि तभी दूसरे पक्ष के लोग गाली-गलौज करते हुए घर के भीतर घुस आए।

तलवार और चाकू लेकर पहुंचे आरोपी: शिकायत के अनुसार, एक व्यक्ति तलवार लेकर पहुंचा था, जबकि अन्य लोग डंडे और चाकू जैसे हथियारों से लैस थे आरोपियों ने परिवार के सदस्य नमन तिवारी पर हमला करने का प्रयास किया विरोध करने पर शिकायतकर्ता उनकी माता और अन्य परिजनों के साथ मारपीट की गई शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी धक्क शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद घायल पक्ष थाने पहुंचा और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर फौजी पंकज तिवारी, मनीष तिवारी, मुनेंद्र तिवारी, दिनेश तिवारी और अभिषेक तिवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दूसरे पक्ष ने भी दर्ज कराई शिकायत: रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के ग्राम कंदवा में दूसरे पक्ष ने भी शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि छुट्टी पर घर आए फौजी पंकज तिवारी पर हमला किया गया। हमले का आरोप राजकिशोर तिवारी, अभय तिवारी, अंशु तिवारी, नमो तिवारी और धीरू तिवारी पर लगाया गया है पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

ई-रिक्शा 10 फीट गहरे नाले में गिरा छात्रा घायल, ड्राइवर पर नशे में होने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को कोलगवां थाना क्षेत्र के टिकुरिया टोला स्थित गुरुकुलम स्कूल के पास एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर 10 फीट गहरे खुले नाले में जा गिरा। इस हादसे में एक छात्रा घायल हो गई। ई-रिक्शा में चालक सहित कुल तीन लोग सवार थे स्थानीय लोगों की मदद से घायल छात्रा को नाले से बाहर निकाला गया और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया घायल छात्रा की पहचान टिकुरिया टोला गली नंबर-5 निवासी स्वाति यादव (पिता ब्रजेश यादव) के रूप में हुई है। वह डीसीए की परीक्षा देकर अपने घर लौट रही थी तभी यह हादसा हुआ घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने राहत कार्य शुरू किया उन्होंने बेहोशी की हालत में छात्रा को सुरक्षित बाहर निकाला और उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ई-रिक्शा चालक सुनील रैकवार (40 वर्ष), जो नई बस्ती सतना का निवासी है, कथित तौर पर मेडिकेटेड नशे में वाहन चला रहा था। स्थानीय लोगों ने ड्राइ?वर की लापरवाही को हादसे का कारण बताया। घटना से नाराज लोगों ने चालक की पिटाई भी की हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया बाद में क्रेन की मदद से नाले में गिरे ई-रिक्शा को बाहर निकाला गया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ड्राइ वर के नशे में होने के आरोपों की भी पड़ताल कर रही है क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से खुले नालों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और ऐसे स्थानों पर रेलिंग लगाने की मांग की ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

नागौद क्षेत्र में फिर सक्रिय हुआ बिजली तार चोर गिरोह 11 हजार केवी लाइन के 12 खंभों की तार चोरी, ग्रामीणों में नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद थाना अंतर्गत पोड़ी पुलिस चौकी क्षेत्र में एक बार फिर बिजली तार चोर गिरोह सक्रिय हो गया है। बीती रात सतना-पोड़ी मार्ग पर मझगवां के पास अज्ञात चोरों ने 11 हजार केवी बिजली लाइन के लगभग 12 खंभों की तार काटकर चोरी कर ली। घटना के बाद क्षेत्र की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जानकारी के अनुसार चोर देर रात सुनसान इलाके का फायदा उठाकर बिजली लाइन की तार काटकर अपने साथ ले गए। सुबह जब ग्रामीणों और बिजली विभाग के कर्मचारियों को घटना की जानकारी मिली, तब मामले का खुलासा हुआ। चोरी के कारण कई गांवों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई और लोगों में नाराजगी देखी जा रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि यह क्षेत्र पहले भी बिजली तार चोरी की घटनाओं का शिकार हो चुका है। करीब तीन वर्ष पहले भी इसी इलाके में बड़े पैमाने पर बिजली तार चोरी हुई थी। उस समय पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर चोरी गई तार बरामद कर ली थी। लेकिन एक बार फिर उसी तरह की वारदात सामने आने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और बिजली विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने तथा गश्त तेज करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि आम नागरिकों को भी बिजली कटौती और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हालांकि बताया जा रहा है कि अभी तक बिजली विभाग की ओर से औपचारिक शिकायत या रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है और चोरों की तलाश की जा रही है।ामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

भागवत कथा में संतोष और भक्ति का संदेश जगत के सारे पदार्थ मिलकर भी मानव को संतुष्ट नहीं कर सकते – संजीव कृष्ण ठाकुर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्री संतधाम उदासीन आश्रम में महंत स्वामी ईश्वरदास जी के सानिध्य में चल रहे 30 दिवसीय भक्ति अमृत महोत्सव के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय कथावाचक श्रद्धेय संजीव कृष्ण ठाकुर जी ने श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया कथा प्रसंग के दौरान ठाकुर जी ने भगवान कपिल-माता देवहुति संवाद, भक्त ध्रुव चरित्र एवं वामन भगवान की दिव्य कथाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जगत के समस्त पदार्थ मिलकर भी मानव को कभी पूर्ण रूप से संतुष्ट नहीं कर सकते जीवन में वास्तविक प्रसन्नता केवल संतोष से ही प्राप्त होती है उन्होंने कहा कि यदि मनुष्य का प्रभु पर विश्वास दृढ़ हो तो अभाव की स्थिति में भी वह ईश्वर की कृपा का अनुभव करता है और प्रत्येक क्षण आनंदमय बन जाता है। उन्होंने यह भी समझाया कि मनुष्य को विषयों के लिए नहीं, बल्कि जीवन के उद्देश्य के लिए जीना चाहिए। धन केवल जीवन की आवश्यकता है उसका उद्देश्य नहीं होना चाहिए। विषय-भोग से आज तक कोई भी पूर्ण तृप्ति प्राप्त नहीं कर सका है कथावाचक ने कहा कि प्रभु चरणों का आश्रय ही जीवन में सच्ची तृप्ति और शांति प्रदान करता है। ईश्वर की भक्ति से ही मानव जीवन सार्थक बनता है और मन को स्थायी संतोष प्राप्त होता है आश्रम के ओमप्रकाश उदासी एवं विनोद गेलानी ने जानकारी दी कि कथा से पूर्व प्रातःकाल विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इसमें श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ, श्री गुरुचंद्र सिद्धांत सागर पाठ, भोग एवं श्री शिव रुद्राभिषेक सहित अन्नक्षेत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की कार्यक्रम के दौरान भक्तों ने भक्ति भाव से कथा का श्रवण किया और वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा।

सरसवाही नर्सरी के सैकड़ों मजदूरों को 6 माह से नहीं मिला वेतन कलेक्टर से लगाई गुहार, वन विभाग पर लगाए गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, कटनी (निप्र)। कटनी जिले की सरसवाही नर्सरी में कार्यरत सैकड़ों महिला एवं पुरुष मजदूरों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को शिकायती पत्र सौंपा मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन्हें पिछले छह माह से मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है जिससे उनके परिवार गंभीर आर्थिक संकट में हैं मजदूरों का कहना है कि वे लगभग 20 वर्षों से सरसवाही नर्सरी में वनरोपण एवं पौधों की देखरेख का कार्य कर रहे हैं। उन्हें प्रतिदिन 351 रुपये की दर से मजदूरी दी जाती है जो उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण उनकी दैनिक जरूरतें प्रभावित हो रही हैं और परिवारों के सामने भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है मजदूरों ने वन विभाग के कर्मचारी शैलेंद्र तिवारी और फॉरेस्ट गार्ड रोहित रजक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि इन्हीं अधिकारियों द्वारा उन्हें कार्य पर रखा गया था, लेकिन अब वेतन मांगने पर केवल आश्वासन दिया जा रहा है। बार-बार कहने के बावजूद भुगतान नहीं किया जा रहा है स्थति यह है कि मजदूरी न मिलने से मजदूरों की आर्थिक हालत बेहद खराब हो गई है। कई दुकानदारों ने भी उधार राशन देना बंद कर दिया है जिससे परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है मजदूरों ने कहा कि उनकी पूरी जीविका केवल इस मजदूरी पर निर्भर है कलेक्ट्रेट पहुंचे मजदूरों ने कलेक्टर से मांग की है कि उन्हें पिछले छह माह का बकाया वेतन शीघ्र दिलाया जाए, ताकि वे अपने परिवारों का पालन-पोषण कर सकें साथ ही उन्होंने वन विभाग की कार्यप्रणाली की जांच की भी मांग की है मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया और बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे मामले को लेकर प्रशासन से जल्द कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

जमीन विवाद में महिला को छत से दिया धक्का, सीढ़ियों से होते हुए नीचे गिरी, पैर सिर पर चोट वीडीयो

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जरियारी गांव में जमीन विवाद को लेकर एक महिला को छत से धक्का देने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो आज मंगलवार सुबह सामने आया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पीड़िता की पहचान जरियारी गांव निवासी ममता पटेल (35) पत्नी राजेंद्र प्रसाद पटेल के रूप में हुई है उन्होंने नादन थाने में शिकायत दर्ज कराई है महिला के अनुसार घटना 23 मई को हुई थी महिला अपने घर की छत पर थीं तभी उनका पड़ोसी रमेश पटेल भी अपनी छत पर आ गया। दोनों घरों की छतें आपस में जुड़ी हुई हैं। शिकायत के मुताबिक पुराने जमीन बंटवारे के विवाद को लेकर रमेश पटेल ने गाली-गलौज शुरू कर दी जब महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी रमेश पटेल ने डंडे से उन पर हमला किया और फिर उन्हें छत से धक्का दे दिया महिला सीढ़ियों से होते हुए नीचे गिर गईं जिससे उनके दोनों घुटनों और सिर में चोटें आई हैं पीड़िता ने आरोप लगाया है कि घटना के दौरान आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। महिला की चीख-पुकार सुनकर गांव के हनुमानदीन पटेल, प्रदीप पटेल और मदन पटेल मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया घटना का वीडियो मंगलवार सुबह सामने आने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया।वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि विवाद के बाद आरोपी ने महिला को छत से धक्का दिया जिससे वह नीचे गिर गईं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।